असतो मा सद्गमय

हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज

(उत्तराखण्ड सरकार द्वारा अनुदानित महाविद्यालय)

रायसी, लक्सर (हरिद्वार)

ISO 9001:2015 प्रमाणित

PROSPECTUS

विवरणिका

सत्र : 2026-27

प्रवेश संबंधी जानकारी (ADMISSION HELPLINE)

प्रवेश हेतु संपर्क करें :

ऑफिस नंबर
9690505437
9997036131

कला वर्ग
डॉ. अजीत राव
9456381991

विज्ञान वर्ग
श्री एल.एम. सैनी
9897076811

बी.एड. विभाग
डॉ. के.पी. तोमर
9410749300

• प्रवेश से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए छात्र / अभिभावक उपरोक्त नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। •

स्नातक, स्नातकोत्तर एवं बी.एड. कक्षाओं में प्रवेश हेतु संबद्धता :

श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय

बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

परम पूज्य स्व० श्रीमती माहो देवी जी (दादी जी) एवं स्व० श्री सन्दल सिंह जी (दादा जी)

व

परम पूज्य स्व० श्रीमती गोम्मी देवी जी (माता जी) एवं स्व० श्री गंगा स्वरूप जी (पिता जी) की प्रेरणा व आशीर्वाद से

जनहितकारी व जनकल्याणकारी शिक्षण संस्थान

हर्ष विद्या मन्दिर (पी०जी०) कॉलेज

रायसी-हरिद्वार (उत्तराखण्ड) की स्थापना हुई

स्थापना वर्ष 2004-05

स्व० श्री सन्दल सिंह जी

(पुत्र स्व० श्री घसीटू सिंह जी)

स्व० श्रीमती माहो देवी

(धर्मपत्नी स्व० श्री सन्दल सिंह जी)

स्व० श्री गंगा स्वरूप जी

(पुत्र स्व० श्री सन्दल सिंह जी)

स्व० श्री जयचन्द जी

(पुत्र स्व० श्री गंगा स्वरूप जी)

स्व० श्री देशराज जी

(पुत्र स्व० श्री गंगा स्वरूप जी)

विषय सूची

1.	महाविद्यालय प्रबन्ध समिति	2
2.	अध्यक्ष महोदय की कलम से	3
3.	उपाध्यक्ष महोदया की कलम से	4
4.	From Secretary's Desk	5
5.	From Principal's Desk	6
6.	महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा प्राप्त उपलब्धियाँ	7-8
7.	महाविद्यालय : एक परिचय	9
8.	आवेदन पत्र विषयक निर्देश	10
9.	प्रवेश सम्बन्धी नियम	11
10.	विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय हेतु अर्हता निर्धारण के नियम	12
11.	उपस्थिति नियम	13
12.	रैगिंग के सम्बन्ध में	14
13.	माता–पिता/अभिभावक द्वारा रैगिंग निषेध शपथपत्र का प्रारुप	15
14.	विविध	16-18
15.	महाविद्यालय का अकादमिक स्टाफ	19-20
16.	सत्र 2026–27 के लिए गठित समितियाँ, प्रकोष्ठ एवं नोडल अधिकारी	21-23
17.	महाविद्यालय के गौरव	24-25
18.	पाठ्यक्रम एवं शुल्क विवरण	26
18.	महाविद्यालय की अकादमिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ	27-36

असतो मा सद्गमय

हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज

रायसी – हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

द्वारा संचालित – हर्ष विद्या मन्दिर एजुकेशनल ट्रस्ट

महाविद्यालय प्रबन्ध समिति

डॉ. के. पी. सिंह दौलत

अध्यक्ष

डॉ. प्रभावती

उपाध्यक्ष

डॉ. हर्ष कुमार दौलत

सचिव

9012913581

श्री निशांत कुमार

कोषाध्यक्ष

9758351659

अध्यक्ष महोदय की कलम से

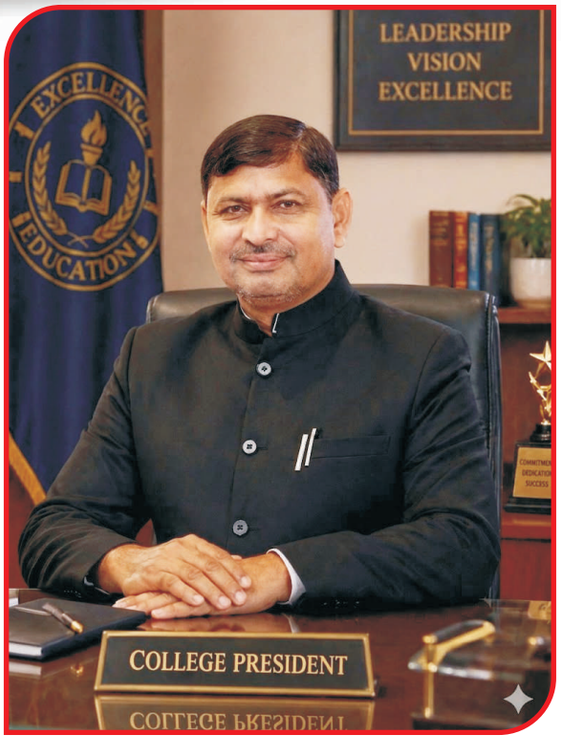

प्रिय छात्र–छात्राओं, अभिभावकों एवं सम्मानित पाठकों,

मुझे अत्यंत प्रसन्नता एवं गौरव का अनुभव हो रहा है कि हर्ष विद्या मन्दिर पी.जी. कॉलेज रायसी, हरिद्वार, उत्तराखंड की इस प्रवेश विवरणिका के माध्यम से आप सभी से संवाद स्थापित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह संस्थान केवल एक शैक्षणिक केंद्र ही नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार एवं व्यक्तित्व विकास का एक सशक्त मंच है, जहाँ विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जाती है। हमारा लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिससे वे न केवल अपने विषय में दक्ष बनें, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफल एवं आत्मनिर्भर नागरिक के रूप में स्थापित हो सकें। आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा का स्वरूप निरंतर बदल रहा है और ऐसे में हमारा संस्थान आधुनिक तकनीकों एवं नवीन शिक्षण पद्धतियों को अपनाकर विद्यार्थियों को अद्यतन ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हर्ष विद्या मन्दिर पी.जी. कॉलेज में हम शिक्षा के साथ–साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रप्रेम की भावना को भी विशेष महत्व देते हैं। हमारा विश्वास है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र निर्माण और समग्र विकास का माध्यम भी होना चाहिए। इसी दृष्टिकोण के साथ हमारा संस्थान विद्यार्थियों के बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक एवं नैतिक विकास के लिए सतत प्रयासरत है। हमारे अनुभवी एवं समर्पित शिक्षकगण विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें उनके लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रेरित करते हैं। संस्थान में उपलब्ध उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ तथा सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर प्रदान करती हैं।

मैं विद्यार्थियों से अपेक्षा करता हूँ कि वे इस संस्थान द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का पूर्ण लाभ उठाएँ, अपने अध्ययन के प्रति गंभीर रहें तथा अनुशासन एवं परिश्रम को अपने जीवन का आधार बनाएं। साथ ही, अभिभावकों से भी अनुरोध है कि वे अपने बच्चों के मार्गदर्शन में सहयोग करें और उन्हें उच्च आदर्शों के प्रति प्रेरित करें।

अंत में, मैं प्राचार्य, शिक्षकगण एवं समस्त कर्मचारियों के समर्पण एवं सहयोग के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके अथक प्रयासों से यह संस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ,

डॉ. के. पी. सिंह दौलत

अध्यक्ष (प्रबन्ध–समिति)

उपाध्यक्ष महोदया की कलम से

मुझे अत्यंत हर्ष है कि हर्ष विद्या मन्दिर पी.जी. कॉलेज रायसी, हरिद्वार, उत्तराखंड की इस प्रवेश विवरणिका सत्र 2026–2027 के माध्यम से आप सभी से संवाद करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हमारा संस्थान शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित है। वर्तमान समय ज्ञान, तकनीक और प्रतिस्पर्धा का युग है। ऐसे परिवेश में केवल शैक्षणिक उपलब्धियाँ ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि नैतिक मूल्यों, व्यक्तित्व विकास, रचनात्मकता और सामाजिक उत्तरदायित्व का समावेश भी अत्यंत आवश्यक है। हमारा महाविद्यालय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को एक संतुलित एवं सशक्त शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सत्र 2026–2027 में हम शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नवीन शिक्षण पद्धतियों, आधुनिक तकनीकी संसाधनों तथा सह–पाठयक्रम गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी न केवल अपनी शैक्षणिक योग्यता में उत्कृटता प्राप्त करे, बल्कि जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भी आत्मविश्वास और दक्षता के साथ आगे बढ़े। हमारी प्रबंध समिति सदैव इस बात के लिए प्रयासरत रहती है कि विद्यार्थियों को एक सुरक्षित, अनुशासित एवं प्रेरणादायक वातावरण प्राप्त हो। हमारे अनुभवी एवं समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें उनके लक्ष्य तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही, महाविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ एवं अन्य सुविधाएँ विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यावहारिक विकास में सहायक सिद्ध होती हैं।

हम मानते हैं कि युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य है। अतः हम विद्यार्थियों में न केवल ज्ञानार्जन की भावना, बल्कि सामाजिक चेतना, नैतिकता एवं राष्ट्रप्रेम का विकास करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। हमारा प्रयास है कि यहाँ से शिक्षित होकर निकलने वाले छात्र–छात्राएँ समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें।

मैं सभी विद्यार्थियों का आह्वान करती हूँ कि वे इस सत्र में पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ अध्ययन करें, महाविद्यालय द्वारा प्रदान किए जा रहे अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएँ और अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। साथ ही, अभिभावकों से अपेक्षा है कि वे अपने बच्चों को निरंतर प्रोत्साहित एवं मार्गदर्शित करें।

अंत में, मैं महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके अथक प्रयासों से यह संस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

आपकी शुभेच्छु

डॉ० प्रभावती

उपाध्यक्ष (प्रबन्ध समिति)

From Secretary's Desk

I take the pleasure in welcoming you to Harsh Vidhya Mandir (P.G.) College, Raisi (Haridwar) a college dedicated to the proper growth and development of each and every student for a better future prospect.

Our college belongs to a rural and backward area where women education was a great challenge in aspect of higher education. HVM, Raisi has solved this problem to a great extent and now women are being benefitted by getting higher education in their own region.

Our students are our dreams and we aim to foster their progress not only in the academic arena but also to ensure the overall development of students. The right knowledge is imparted to the students and they are prepared to face the challenges of the future. The faculty members take every care to help the students in the interactive class rooms. The method of teaching are innovative, dynamic and flexible so as to make the process of learning interesting, purposeful and enriching.

Once again I welcome parents and students to be a part of HVM, Raisi family and your valuable ideas and suggestions are highly appreciated. I also thank all those who have directly and indirectly supported the college.

Dr. Harsh Kumar Daulat
Secretary (Management Committee)

प्राचार्य की कलम से....

शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्यों को सीखना–सिखाना ही नहीं है, वरन् छात्रों के सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखकर उन्हें सैद्धांतिक तथा व्यवहारिक ज्ञान से परिपूर्ण करना है। महाविद्यालय उपाधि हेतु पाठ्यक्रम संचालित करने वाला संस्थान मात्र नहीं है अपितु शिक्षा का एक ऐसा जीवंत केंद्र होता है जहाँ छात्र–छात्रों की शिक्षा के साथ–साथ उनकी प्रतिभा को निखारने, चरित्र निर्माण और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का कार्य किया जाता है। हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज, रायसी में हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को न केवल उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान कर उन्हें योग्य बनाना है, वरन् उन्हें समाज के प्रति संवेदनशील और देश के उत्तरदायी नागरिक के रूप में विकसित करना भी है।

महाविद्यालय में हमारी प्राथमिकताओं में सर्वप्रथम गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा है जिसके लिए अत्यंत योग्य तथा अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का समावेश रहता है। यहाँ शिक्षा के साथ–साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और कौशल विकास पर विशेष जोर रहता है। इसके अतिरिक्त एक ऐसा वातावरण निर्माण भी हमारी प्राथमिकता है जहाँ एनएसएस, एनसीसी, रेडक्रॉस, रोवर–रेंजर्स तथा उन्नत भारत अभियान के द्वारा अनुशासन, समाजसेवा और नैतिक मूल्यों के साथ–साथ पारस्परिक सम्मान सर्वप्रथम हो। डिजिटल साक्षरता और करियर परामर्श के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक मंच के लिए तैयार करते हुए भविष्य की तैयारी के साथ–साथ आज के इस बदलते परिवेश में, हम निरंतर अपने संसाधनों को अद्यतन कर रहे हैं ताकि विद्यार्थियों को सर्वोत्तम सुविधाएं मिल सकें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत और संकाय सदस्यों के समर्पण के साथ, हमारा महाविद्यालय सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा।

मैं महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में सभी विद्यार्थियों के उज्जवल और सफल भविष्य की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

प्रो० आदित्य गौतम
प्राचार्य
हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी (हरिद्वार)
मो० : 9760030506

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा प्राप्त उपलब्धियाँ

कु० आंचल
नेट जे.आर.एफ. सितम्बर 2021
पी.एच.डी (उत्तराखण्ड संस्कृत वि.वि.) 2023–24 History

आदित्य शर्मा
टी.आर.एस., त्रिपुरा रिजर्व स्कॉट्स 27/03/2022
2019–20 History

मनोज
डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड 2021–22
2021–23 History

कु० तनु
वि.वि. स्वर्ण पदक तथा 2024 में पी–एच.डी. के लिए क्वालिफाइड किया 2021–22 History

हर्ष अग्रवाल
डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड
2022–23 हिन्दी

जूली
डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड
2022–24 History

पल्लवी
वि.वि. स्वर्ण पदक
2022–2023
Home Science

कु० उजरा
वि. वि. सिल्वर पदक
2021–23 History

कु० रुबीना
यू.जी.सी. नेट क्वालिफाइड
दिसम्बर 2024 History

अरशद
पी–एच.डी., डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड
दिसम्बर 2024–2025 History

मोनी कुमार
डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड
2025 History

शैलजा चौधरी
यू.जी.सी. नेट क्वालिफाइड
दिसम्बर 2024 Sociology

प्रिया चौधरी
यू.जी.सी. नेट क्वालिफाइड
दिसम्बर 2024 English

शिवानी सैनी
आबकारी पुलिस कान्सटेबल
2025 (UKSSSC)
Political Science

अमनदीप
एस.एस.सी. जी.डी. एग्जाम
बी.एस.एफ. कान्सटेबल
2023–24 Chemistry

सुमित कुमार
असिस्टेंट (रेलवे वर्कशाप)
Chemistry

स्वेज अंसारी
एएसआई फोरेस्ट, उत्तराखण्ड
Chemistry

हेमा यादव
फोरेस्ट बीट ऑफिसर
उत्तराखण्ड
हिन्दी

अमरीन जहां
पी–एच.डी. के लिए क्वालिफाइड 2024–25
Drawing

कु. मानसी
कान्सटेबल
असम राईफल्स
2020–2021

महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा प्राप्त उपलब्धियाँ

नेहा रानी
स्वर्ण पदक
2019–20
Maths

अभिषेक अग्रवाल
UGC NET & SLET
उत्तराखण्ड
2024 Geography

कुंवर सिंह पंवार
असि. टीचर
2024
Geography

आस मोहम्मद
Assistant Silk Development Officer-Silk Deptt. Uttarakhand (Presently working) 2019-2022
B.Sc. (CBZ)

Aakash Kumar
Radio Mechanic/Signal Regiment 2024
M.Sc. Physics 2020-22

Monu Kumar
Stenographer (UKSSSC) 2025
M.Sc. Physics 2020-23

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर के दसवें दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए महाविद्यालय के पूर्व छात्र निशान्त कुमार दौलत जो वर्तमान में हरिओम सरस्वती पी.जी. कॉलेज, धनौरी, हरिद्वार में गणित विभाग में असि. प्रो. के पद पर कार्यरत हैं

Parduman Kumar
Review Officer
(UKSSSC) 2 025
B.Sc. Final (2021-24)

पूजा देवी
LT Selected
2024–25 Drawing

आस्था गोयल
Gold Medalist
M.A. (Education)
Batch 2020-22

दीपक कुमार
कान्सटेबल बी.एस.एफ.
हिन्दी
2019–2020

Abhishek Kumar
Technical Assistant
(CBRI-IIT Roorkee) 2025
M.Sc. Physics (2021-23)

कु० प्रिया
Gold Medalist
M.A. (Education)
Batch 2021-23

आस मोहम्मद
Assistant Review Officer in Uttarakhand Public Service Comission

महाविद्यालय : एक परिचय

हर्ष विद्या मन्दिर (पी०जी०) कॉलेज, रायसी, हरिद्वार उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक है जिसे जनपद–हरिद्वार के रायसी क्षेत्र के समाजसेवी, लोक हितैशी एवं शिक्षा प्रेमी डॉ० के०पी० सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ० प्रभावती के सक्रिय प्रयासों से सन् 2005 में हेमवती नन्दन बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय श्रीनगर, गढवाल द्वारा महाविद्यालय के रुप में मान्यता प्रदान की गयी। इससे पूर्व रायसी क्षेत्र में उच्च शिक्षा के लिए डिग्री कॉलेज का पूर्णतः अभाव था। जिसके कारण इस क्षेत्र के छात्र–छात्राओं को शिक्षार्थ हेतु दूर–दूर तक की खाक छाननी पड़ती थी। विशेषतौर पर छात्राओं के प्रवेश की स्थिति और भी दयनीय थी। असुरक्षित परिवेश से छात्र/छात्रा एवं उनके अभिभावक परेशान रहते थे। इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी उच्च शिक्षा सुगमता पूर्वक प्राप्त हो सकें, इसी पावन उद्देश्य को ध्यान में रखकर डॉ० के० पी० सिंह ने हर्ष विद्या मन्दिर (पी०जी०) कॉलेज के निर्माण का संकल्प लिया। जगत नियन्ता की कृपा और माँ सरस्वती के आशीर्वाद से हर्ष विद्या मन्दिर (पी०जी०) कॉलेज, रायसी, हरिद्वार का स्वप्न साकार हो सका।

जन सहयोग, विश्वविद्यालय एवं शासन की अनुकम्पा से 2005 से विज्ञान संकाय (PCM, CBZ) तथा 2007 से कला संकाय में नौ विषयों में नियमित कक्षाएं शुरू करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। 2012–13 में एम०एस–सी० (जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित) तथा एम०ए० (शिक्षाशास्त्र) में मान्यता मिली। इसी वर्ष में महाविद्यालय को NCTE द्वारा B.Ed. की मान्यता मिली और उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्धता प्रदान की गयी। वर्तमान में B.Ed. की सम्बद्धता श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल टिहरी गढवाल से हैं। वर्ष 2012–13 में श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय बादशाहीथौल, टिहरी गढवाल द्वारा महाविद्यालय को एम०एस–सी० भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा एम०ए० हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, चित्रकला भूगोल तथा वर्ष 2019–20 में बी०एस–सी० (गृह विज्ञान) एम०एस–सी० (गृह विज्ञान), बी०कॉम०, एम०कॉम तथा एम०ए० (अर्थशास्त्र) की संबद्धता प्राप्त हुई।

हर्ष विद्या मन्दिर (पी०जी०) कॉलेज, रायसी, हरिद्वार रेलवे स्टेशन रायसी से दक्षिण दिशा में 1 किमी० एवं लक्सर रेलवे स्टेशन व बस स्टैण्ड से लक्सर बालावली मार्ग पर 8 किमी० की दूरी पर स्थित है।

महाविद्यालय के पास अपना सुदृढ़ विशाल आकर्षक भवन है। भवन पूर्णतः विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरुप व्यवस्थित ढंग से निर्मित हुआ है।

भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भूगोल, शिक्षाशास्त्र तथा चित्रकला की समृद्ध प्रयोगशालाएँ है। सभी प्रयोगशालाएँ आधुनिकतम उपकरणों से सुसज्जित है। महाविद्यालय का पुस्तकालय भी समस्त विषयों की पाठ्यक्रमानुसार पुस्तकों से सुसज्जित हैं। विषयों की पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त छात्र–छात्राओं के लिए ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें भी पुस्तकालय में उपलब्ध है।

महाविद्यालय का अनुशासन सर्वोत्तम व अनुकरणीय है। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, जहां विज्ञ प्रवक्ताओं की साधना एवं अध्यापन निष्ठा का प्रतीक है, वहीं छात्र–छात्राओं को अध्ययनार्थ उन्मुख कर, उनमें सुचरित्रता, पारस्परिक सौजन्यता एवं उनके बहुमुखी विकास की ओर उन्मुख करने हेतु महाविद्यालय अविरल प्रयासरत हैं।

आवेदन पत्र विषयक निर्देश

आवेदन पत्र जमा करते समय अभ्यर्थी/अभ्यर्थिनी निम्नांकित बातों का पालन सुनिश्चित करें–

1. प्रवेशार्थी महाविद्यालय में प्रवेश हेतु निर्धारित आवेदन पत्र का ही प्रयोग करेंगे।
2. प्रपत्रों की समस्त प्रविष्टियां स्पष्ट रुप से अंकित करें तथा प्रमाण स्वरुप सभी आवश्यक परीक्षाओं की अंक तालिकाओं की सत्यापित प्रतिलिपि, चरित्र प्रमाण–पत्र व स्थानांतरण प्रमाण–पत्र की मूल प्रतियां व आरक्षण तथा अधिभार के लाभ हेतु प्रमाण पत्रों की स्वयं सत्यापित (स्वप्रमाणित) प्रतिलिपियां अवश्य संलग्न करें। व्यक्तिगत परीक्षार्थी किसी राजपत्रित अधिकारी/लोकसभा/विधानसभा/विधान परिषद् के सदस्य अथवा किसी महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण–पत्र संलग्न करें।
3. समस्त प्रमाण–पत्रों की प्रतिलिपियाँ सम्बंधित संस्था के प्राचार्य अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित होनी चाहिए। अभ्यर्थी स्वप्रमाणित प्रमाण–पत्र भी प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का प्रमाण–पत्र, अंक तालिका/जाति प्रमाण–पत्र अथवा अन्य सूचना जाँच में असत्य पायी जाती हैं तो अभ्यर्थी का प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा तथा साथ ही ऐसा व्यक्ति भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के अंतर्गत सजा का भागी होगा।
4. किसी सरकारी/अर्द्धसरकारी संस्थान में कार्यरत होने पर आवेदन पत्र उपयुक्त माध्यम द्वारा अनापत्ति प्रमाण–पत्र सहित होना चाहिए।
5. प्रवेश हेतु योग्यता सूची, तिथि आदि की सूचना कॉलेज सूचना पट्ट एवं कॉलेज की वेबसाइट (www.hvmraisi.com) पर देखें।
6. प्रवेश के समय अभ्यर्थी प्रवेश समिति के समक्ष मूल प्रमाण–पत्रों सहित स्वयं उपस्थित हो ताकि उसके छायाचित्र एवं प्रमाण–पत्रों का सत्यापन किया जा सके। प्रवेश समिति की संस्तुति व प्राचार्य से प्रवेश की अनुमति मिलने पर कॉलेज कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करके शुल्क जमा कराने हेतु निर्धारित प्रपत्र प्राप्त करें तथा निर्धारित बैंक में निर्धारित तिथि पर निश्चित समय में शुल्क जमा करें।
7. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्ग तथा आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के प्रवेशार्थियों के लिए आवश्यक है कि वांछित प्रमाण–पत्र अनिवार्य रुप से उनके मूल निवास स्थान या वर्तमान निवास स्थान के शासकीय प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रदत्त हो। इस संदर्भ में अन्य कोई प्रमाण–पत्र कॉलेज द्वारा मान्य नहीं होगा। उपयुक्त/वांछित प्रमाण–पत्र के अभाव में छात्र की सामान्य श्रेणी ही मानी जाएगी।
8. विकलांग प्रवेशार्थियों को जिला मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त मूल चिकित्सा प्रमाण–पत्र तथा उसकी एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
9. किसी भी प्रकार का आरक्षण लाभ या अधिभार (एन०सी०सी०, स्काउटिंग, खेलकूद, एन.एस.एस., वि०वि० कर्मचारियों के वार्ड आदि संबंधी) चाहने पर प्रवेशार्थी आवेदन पत्र में निर्धारित स्थान पर सही का चिन्ह (√) अवश्य लगाएं तथा इसके लिए सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण–पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि अवश्य संलग्न करें अन्यथा उक्त लाभ/अधिभार नहीं मिल सकेगा।

प्रवेश सम्बन्धी नियम 2026–27

साधारण नियम–

- महाविद्यालय में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय प्रवेश समिति द्वारा बनाये गये नियमों के अर्न्तत सभी सम्बन्धित कक्षाओं में ऑनलाइन (On Line) पद्धति से प्राचार्य/सक्षम अधिकारी द्वारा प्रवेश किये जाएंगे। सभी विषयों में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सीटों पर ही प्रवेश किये जायेंगे।
- प्रवेश की निर्धारित अन्तिम तिथि के पश्चात् प्रवेश सम्भव नहीं होगा। ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल अन्तिम तिथि के बाद स्वतः लॉक हो जायेगा। प्रवेश की तिथि के निर्धारण/परिवर्तन/विस्तार के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय विश्वविद्यालय का होगा।
- महाविद्यालय में प्रवेश हेतु विभिन्न अभ्यर्थियों के ऑनलाइन प्रवेश आवेदनों के आधार पर निर्धारित तिथि से पूर्व अनन्तिम योग्यता सूची तैयार की जायेगी। महाविद्यालय योग्यता सूची के आधार पर प्रवेश प्रक्रिया सम्पादित करेगा और उन्हीं विद्यार्थियों को प्रवेश देगा जिनकी समस्त अर्हताओं तथा ऑनलाइन प्रवेश आवेदन पत्र/फार्मेट में अंकित सूचनाओं का सत्यापन मूल अंकपत्रों व प्रमाणपत्रों सत्यापन महाविद्यालय स्तर पर कर लिया गया हो।
- ऑनलाइन माध्यम से उपरोक्तानुसार आवेदन किए हुए अभ्यर्थियों को प्रवेश प्रक्रिया के समय महाविद्यालय में अपने ऑनलाईन आवेदन पत्र की हार्डकॉपी, शैक्षणिक मूल प्रमाणपत्रों, अंकतालिकाओं तथा अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों यथा विषयक प्रमाण पत्रों आदि में से प्रत्येक की स्पष्ट स्वप्रमाणित छायाप्रति के साथ स्वयं प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
- अभ्यर्थी तथा उसके अभिभावक द्वारा प्रवेश प्रक्रिया के समय विश्वविद्यालय की वेबसाईट में प्रवेश प्रक्रिया के अन्तर्गत उपलब्ध प्रारूप (क) तथा प्रारूप (ख) में उल्लेखित निर्धारित शपथ–पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। शपथ पत्र में अभ्यर्थी के हस्ताक्षर महाविद्यालय द्वारा गठित प्रवेश समिति के शिक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किये जायेंगे।
- नैतिक भ्रष्टाचार अथवा हिंसा के अभियोग में न्यायालय द्वारा दण्डित किये गये अभ्यर्थी को किसी भी पाठ्यक्रम/कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा। यदि प्रवेश के बाद उसे नैतिक भ्रष्टाचार अथवा हिंसा के अभियोग में न्यायालय द्वारा दण्डित किया जाता है तो अभ्यर्थी का प्रवेश महाविद्यालय द्वारा निरस्त कर दिया जाएगा तथा जिसकी लिखित सूचना विश्वविद्यालय को यथाशीघ्र तथ्यों सहित लिखित रूप में प्रेषित करना अनिवार्य होगा।
- यदि कोई अभ्यर्थी महाविद्यालय में तथ्य छुपाकर अथवा धोखाधड़ी से प्रवेश लेता है तो उसका प्रवेश प्राचार्य द्वारा किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है।
- प्राचार्य अथवा प्रवेश समिति युक्तिसंगत कारण होने पर अपने विवेकानुसार किसी भी समय प्रवेश अस्वीकार/निरस्त कर सकते हैं। इस सम्बन्ध में उनका निर्णय अन्तिम होगा।
- किसी भी अभ्यर्थी को जो महाविद्यालय में अनुशासनहीनता करने पर दण्डित किया गया हो, ऐसे अभ्यर्थी को महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
- प्रवेशरत किसी भी विद्यार्थी ने यदि विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना प्रवजन प्रमाण–पत्र (Migration Certificate) महाविद्यालय में जमा न किया हो, तो ऐसे विद्यार्थी को दिया गया प्रवेश सक्षम अधिकारी द्वारा निरस्त किया जा सकता हैं।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आरक्षण उत्तराखण्ड शासन के निर्देशों के अनुसार अनुमन्य होगा।
- प्रवेश हेतु निर्धारित अन्तिम तिथि के पश्चात महाविद्यालय द्वारा कोई भी परिवर्तन नहीं किया जायेगा।
- महाविद्यालय में बिना स्थानान्तरण/चरित्र प्रमाणपत्र (टी०सी०/सी०सी०) के किसी भी विद्यार्थी को स्नातक कक्षाओं/पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में प्रवेश अनुमन्य किये जाने पर अधिकतम एक माह के भीतर महाविद्यालय में स्थानान्तरण प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा प्रवेश निरस्त किया जा सकता हैं।
- प्रत्येक विद्यार्थी हेतु सम्बन्धित विषयों की कक्षाओं में नियमानुसार न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। विशेष परिस्थितियों में प्राचार्य द्वारा 05 प्रतिशत तक तथा प्राचार्य की संस्तुति पर कुलपति जी द्वारा 10 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा सकती हैं।
- अभ्यर्थी द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश लेने के पश्चात् अभ्यर्थी के आवेदन पत्र से संबंधित अभिलेख यथा आवेदन पत्र, शैक्षणिक प्रपत्र, अन्य प्रपत्रों का 03 माह पश्चात विनिष्टिकरण कर दिया जायेगा। यह नियम प्रवेश से वंचित छात्रों के संबंध में भी लागू होगा।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के रैगिंग संबंधी विनियम 2009 में उल्लिखित प्रावधानों के अंतर्गत उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग प्रतिबंधित एवं निषिद्ध हैं। रैगिंग के मामले में अपराधी पाए जाने पर संबंधित छात्र–छात्रा के विरूद्ध नियमानुसार दंडात्मक

कार्यवाही की जा सकती हैं।

वैधानिक नियन्त्रण– विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उक्त प्रवेश नियमों में आवश्यकता के अनुरूप परिवर्तन करने का अधिकार श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित होगा तथा परिवर्तन सभी पक्षों को मान्य होगा।

विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय हेतु अर्हता निर्धारण के नियम

(शैक्षणिक वर्ष 2026–27 से प्रभावी)

अर्हता/योग्यता सूची निर्धारण के नियम–

2.1 स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षा में प्रवेश सीटों की निर्धारित सीमा तक प्राचार्य द्वारा इण्टरमीडिएट (10+2) कक्षा में अभ्यर्थी के प्राप्तांकों के अनुसार योग्यता अंकों के आधार पर किए जाएंगे।

उत्तराखण्ड माध्यमिक शिक्षा परिषद से अनुमोदित बोर्ड/यू०जी०सी० से मान्यता बोर्ड से 10+2 उत्तीर्ण छात्र/छात्रा प्रवेश हेतु अर्ह होंगे।

(क) कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अर्न्तगत स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षा में स्थानों की निर्धारित सीमा के भीतर योग्यता क्रम के आधार पर प्रवेश हेतु अर्हता निम्नवत् होगी:–

1. कला संकाय हेतु इण्टरमीडिएट 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण।
   (40 प्रतिशत का तात्पर्य 40 प्रतिशत से ही होगा न कि 39.99 प्रतिशत)
2. विज्ञान संकाय हेतु इण्टरमीडिएट (विज्ञान) 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण।
   (45 प्रतिशत का तात्पर्य 45 प्रतिशत से ही होगा न कि 44.99 प्रतिशत)
3. वाणिज्य संकाय हेतु इण्टरमीडिएट वाणिज्य सहित 40 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण।
   (40 प्रतिशत का तात्पर्य 40 प्रतिशत से ही होगा न कि 39.99 प्रतिशत) अथवा इण्टरमीडिएट कला/विज्ञान में 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण (45 प्रतिशत का तात्पर्य 45 प्रतिशत से ही होगा न कि 44.99 प्रतिशत)। इण्टरमीडिएट वाणिज्य विषय के साथ उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्रवेश में प्राथमिकता दी जाएगी।
4. अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछडा वर्ग हेतु प्रत्येक संकाय के अन्तर्गत प्रवेश हेतु निर्धारित अर्हता में 5 प्रतिशत अंकों की छूट अनुमन्य होगी।

(ख) यदि कोई छात्र स्नातक स्तर के प्रथम सेमेस्टर/प्रथम वर्ष की परीक्षा में अनुत्तीर्ण होगा या हो अथवा प्रथम सेमेस्टर/प्रथम वर्ष के उपरान्त छात्र पुनः प्रथम सेमेस्टर में अपना संकाय (यथा स्नातक स्तर पर विज्ञान से कला अथवा वाणिज्य) परिवर्तित कर परिसर/महाविद्यालय/संस्थान में प्रवेश चाहता है तो ऐसे छात्र द्वारा परिसर/महाविद्यालय में प्रवेश लेने हेतु नियम 2–1 (क) के अनुसार तथा अवरोध वर्ष के लिए प्राप्तांकों में से 05 प्रतिशत अंक प्रतिवर्ष कम कर योग्यता सूची (Merit Index) में आने पर एवं संबंधित परिसर/महाविद्यालय में सीट रिक्त होने की दशा में उस परिसर/महाविद्यालय की प्रवेश समिति द्वारा प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश दिये जाने हेतु विचार किया जा सकता हैं।

2.2 शिक्षणेत्तर कार्य–कलापों में राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर अथवा अन्तर विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय अथवा तृतीय स्थान/पदक प्राप्त प्रतिभाशाली छात्रों को प्राचार्य की संस्तुति पर प्रवेश विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी अपने विशेषाधिकार का उपयोग करते हुए प्रवेश के सम्बन्ध में निर्णय देने हेतु अधिकृत होंगे।

2.3 परीक्षा समाप्ति के उपरान्त विद्यार्थियों का अगले सेमेस्टर में अस्थाई प्रवेश अनुमन्य करते हुए पठन–पाठन प्रारम्भ किया जायेगा। यह व्यवस्था नितान्त अस्थायी होगी।

2.4 स्नातक कक्षा में उत्तराखण्ड से बाहर के अभ्यर्थियों को योग्यता–क्रम में आने पर 10 प्रतिशत से अधिक सीटों में प्रवेश अनुमन्य नहीं किया जाएगा और केवल स्थान रिक्त रहने एवं प्रवेश की अवधि रहने पर ही इससे अधिक स्थानों पर प्रवेश अनुमन्य हो सकेगा।

उपस्थिति नियम

सामान्यतः विद्यार्थियों से अपेक्षा है कि वे अपनी कक्षाओं में 100 प्रतिशत उपस्थिति देंगे तथापि विश्वविद्यालय नियमों एवं आदेशों के अनुसार कोई भी छात्र विश्वविद्यालय की किसी भी परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति तभी प्राप्त कर सकेगा जबकि वह व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं प्रयोगात्मक कक्षाओं में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति पूरी कर लेगा। प्रयोगात्मक कक्षाओं में प्रयोगात्मक कार्य की अवधि में 75 प्रतिशत उपस्थिति अपेक्षित होगी।

निम्नलिखित परिस्थिति में पूरे सत्र में किसी विषय में व्याख्यान और सेमिनार/प्रयोगात्मक कक्षाओं में पृथक–पृथक 6 प्रतिशत तक छूट प्राचार्य द्वारा तथा 9 प्रतिशत छूट कुलपति द्वारा दी जा सकती हैं।

1 (अ) विद्यार्थी की लम्बी और गम्भीर बीमारी में कक्षा में सम्मिलित होने के 15 दिन के अन्दर यदि विद्यार्थी ने चिकित्सा प्रमाण–पत्र दाखिल कर लिया हो।

या

(ब) इसी के समकक्ष किसी अत्यन्त विशेष परिस्थिति में समुचित कारण देने पर।

2. वि०वि०/महाविद्यालय द्वारा आयोजित एन०एस०एस० शिविर खेलकूद के समारोह, शैक्षणिक पर्यटन में भाग लेने अथवा भारतीय सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के लिए साक्षात्कार के निमित्त जाने पर उपस्थित न्यूनता मार्जन कर दिया जायेगा बशर्ते सम्बन्धित सक्षम अधिकारी से हस्ताक्षरित प्रमाण–पत्र अनुपस्थित रहने के सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया गया हो।
3. एन०सी०सी० वाले बच्चों के लिये भी उपस्थिति में नियमानुसार छूट दी जायेगी।

आचार संहिता

समस्त छात्रों पर लागू होने वाली आचार संहिता निम्नवत हैं–

छात्रों द्वारा व्यक्तिगत रुप से अथवा दो या अधिक छात्रों अथवा व्यक्तियों के समूह में कुल निम्नलिखित गतिविधियाँ अनुशासनहीनता एवं दुर्व्यवहार समझा जायेगा–

1. महाविद्यालय में किसी शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, छात्र अथवा शैक्षणिक कार्यों हेतु किसी आगन्तुक पर शारीरिक प्रहार, शारीरिक बल प्रयोग की धमकी अथवा कोई अन्य धमकाने वाला व्यवहार।
2. महाविद्यालय में शिक्षण एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं एवं अन्य सुविधाओं के कार्यकलापों, प्रवेश एवं परीक्षा प्रक्रियाओं तथा प्रशासनिक कार्यों में किसी भी प्रकार से बाधा पहुँचाना।
3. महाविद्यालय परिसर या अन्यत्र आयोजित किसी शैक्षिक परिभ्रमण अथवा शिक्षण, शिक्षणेत्तर अथवा साहित्यिक अथवा समकक्ष कार्यक्रम में अनुचित व्यवहार।
4. महाविद्यालय से सम्बन्धित किसी व्यक्ति की छवि को धूमिल करने वाले कृत्य व वक्तव्य अथवा किसी साहित्य या दस्तावेज जिनमें पत्रावलियां, पंपलेट, पोस्टर आदि सम्मिलित है का प्रदर्शन एवं वितरण।
5. आपत्तिजनक वस्तुओं एवं पदार्थों का रखना एवं वितरण।
6. किसी शस्त्र का रखना, प्रदर्शन करना अथवा उससे धमकाना।
7. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित छात्रों की प्रतिष्ठा अथवा सम्मान की अवहेलना।
8. महिलाओं के प्रति दुर्व्यवहार युक्त अथवा यौन उत्पीड़न का भान करने वाला कोई मौखिक अथवा अन्य कृत्य व्यवहार।
9. मदिरा अथवा अन्य मादक पदार्थ रखने, वितरित करने अथवा सेवन करने के उपरान्त महाविद्यालय में प्रवेश करना।
10. महाविद्यालय की सम्पत्ति को कोई क्षति पहुंचाना।
11. छात्रों को परिसर में मोबाइल फोन अथवा किसी अन्य इलैक्ट्रोनिक यंत्र पर संगीत सुनना अथवा कोई दृश्य सामग्री देखना व दिखाना पूर्ण रुप से प्रतिबन्धित है।

रैगिंग से सम्बन्धित अभिप्राय है

Any disorderly conduct whether by words spoken or by an act which has the effect of teasing, treating or handling with rudeness any other student, including is rowdy or undisciplined activities which causes or is likely to cause embarrassment, annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in fresher or junior student or asking the students to do any act or perform something which such students will not in the ordinary cause do or perform and which has the effect of casing or generating a sense of shame or so as to adversely affect the physique or psyche or junior student. Any of the above acts committed by any students of the same or junior or senior class shall be deemed to be ragging.

रैगिंग के संबंध में प्रावधान

विश्वविद्यालय ने रैगिंग के नियंत्रण हेतु यू०जी०सी० के नियम अपने परिसर में तथा समस्त महाविद्यालयों में रैगिंग की प्रभावशाली रोकथाम हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों मार्च 2009 तथा माननीय उच्चतम न्यायालय के पत्र सं० 370/04/एस.आई.ए. दिनांक 26 फरवरी तथा 17 मार्च 2009 को दृष्टिगत रखते हुए रैगिंग निरोधक समिति गठित की गई है। यदि कोई भी विद्यार्थी रैगिंग का सामना करता है तो वह इस समिति के समक्ष लिखित में अपनी शिकायत प्रस्तुत कर सकता/सकती है।

रैगिंग के दोषी पाये गये व्यक्तियों को दण्ड

संस्था की रैगिंग निरोधक समिति के अभिमत में अपराध की स्थापित प्रकृति एवं गंभीरता के आधार पर संस्थागत स्तर पर रैगिंग के दोषी पाये गये व्यक्तियों को दिये गये दण्ड निम्न में से कोई एक अथवा उसका समूह हो सकता है–

1. प्रवेश निरस्त किया जाना।
2. कक्षा से निलम्बन।
3. छात्रवृत्ति तथा अन्य लाभ रोके रखना अथवा निरस्त करना।
4. संस्था से एक से चार सेमेस्टर अवधि हेतु निष्कासन।
5. रु. 10000 तक का जुर्माना।
6. जब रैगिंग का अपराध करने वाले व्यक्तियों को न पहचाना जाए तब सम्भावित रैगिंगकर्ताओं पर सामुदायिक दबाव बनाने हेतु संस्था सामूहिक दण्ड का प्रयोग करेगी।

नोटः विद्यार्थी निधारित प्रारूप में शपथ पत्र प्रवेश के समय उपलब्ध करायें।

रैगिंग निषेध शपथ–पत्र का प्रारुप (केवल छात्र/छात्राओं द्वारा भरा जाए)

1. मैं.....पुत्र/पुत्री, श्री/श्रीमती.....ने रैगिंग निषेध के विधि/उच्चतम न्यायालय तथा केन्द्रीय/राज्य सरकारों के इससे सम्बन्धित निर्देशों को भली–भांति पढ़ लिया है तथा पूर्णतया समझ लिया है।
2. मैने विश्वविद्यानय० अनुदान आयोग, उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग रोकने से सम्बन्धित विनिमय 2009 की एक प्रतिलिपि प्राप्त कर ली है तथा उसे ध्यान से पढ़ लिया है।
3. मैं एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूँ– मैं ऐसे किसी कृत्य में सम्मिलित नहीं होऊँगा/होऊँगी, उसको प्रोत्साहित अथवा प्रचारित नहीं करूँगा/करूँगी। मैं किसी को भी शारीरिक अथवा मानसिक रुप से प्रताड़ित नहीं करूँगा/करूँगी अथवा को अन्य किसी को क्षति नहीं पहुँचाऊँगा/पहुँचाऊँगी।

हस्ताक्षर..... दिन..... माह..... वर्ष.....

नाम व पता **हस्ताक्षर ओथ कमिश्नर**

माता–पिता/अभिभावक द्वारा रैगिंग निषेध शपथ–पत्र का प्रारुप

मैं..... पुत्र/पुत्री श्री/श्रीमती..... ने रैगिंग निषेध के विधि/उच्चतम न्यायालय तथा केन्द्र/राज्य सरकारों के इससे सम्बन्धित निर्देशों को भली भांति पढ़ लिया है तथा पूर्णतः समझ लिया है। मैं विश्वास दिलाता/दिलाती हूँ कि मेरा पुत्र/पुत्री/संरक्षित रैगिंग के किसी भी कृत्य में लिप्त नहीं होगा।

मै सहमति देता/देती हूँ कि यदि उसे रैगिंग में लिप्त पाया गया तो उसे वि०वि० अनुदान आयोग के नियमानुसार तत्समय लागू विधि व्यवस्था के अधीन दण्डित किया जाए।

हस्ताक्षर..... दिन.....माह.....वर्ष.....

नाम व पता **हस्ताक्षर ओथ कमिश्नर**

पुस्तकालय

विद्यार्थी समुचित ज्ञानार्जन कर सके इसके लिए कॉलेज में समृद्ध पुस्तकालय की सुन्दर व्यवस्था है जिसमें सभी विषयों की पर्याप्त संख्या में पुस्तकें हैं। सभी नियमित छात्र पुस्तकें प्राप्त करने के अधिकारी होंगे। पुस्तकें प्राप्त करने के लिए छात्रों को पुस्तकालय कार्ड पुस्तकालय से लेने होंगे। पुस्तकालय में प्रवेश के लिए परिचय पत्र दिखाना आवश्यक होगा।

पुस्तकालय से सामान्यतः 14 दिन के लिए पुस्तकें प्रदान की जाती है। पुस्तकें देर से लौटाने पर रु. 3 प्रतिदिन विलम्ब अर्थदंड देना होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के 10 दिन पूर्व तक पुस्तकालय की सभी पुस्तकें आवश्यक रुप से लौटानी होंगी। पुस्तकें न लौटा पाने की स्थिति में छात्रों का परीक्षा प्रवेश पत्र रोक दिया जायेगा।

वाचनालय– अद्यतन सूचनाओं की जानकारी छात्रों को हो सके तथा ये प्रतियोगी परीक्षाओं में अपनी दक्षता सिद्ध कर सके इसके लिए पुस्तकालय में बहुत सी समसामयिक पत्रिकाएं तथा दैनिक पत्र मंगाए जाते हैं जिन्हें छात्रों को वाचनालय में बैठकर ही पढना होगा। पत्र–पत्रिकाएं सामान्यतः घर के लिए नहीं दी जाती हैं।

मोबाइल हेतु अनुमति पत्र

मैं अपने पुत्र/पुत्री..... कक्षा..... को महाविद्यालय में मोबाइल लाने हेतु अनुमति चाहता/चाहती हूँ। वह मोबाइल का प्रयोग विशेष परिस्थिति में ही करेगा/करेगी। महाविद्यालय परिसर में मोबाइल का अनुचित प्रयोग करने पर महाविद्यालय को उसके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही/आर्थिक दण्ड का अधिकार होगा।

हस्ताक्षर माता–पिता

नाम :–

पहचान–पत्र एवं चरित्र प्रमाण–पत्र

महाविद्यालय में अध्ययनरत प्रत्येक विद्यार्थी को नियन्ता कार्यालय द्वारा एक पहचान–पत्र जारी किया जायेगा। किसी विद्यार्थी को जारी पहचान–पत्र को ही महाविद्यालय का विद्यार्थी होने का एकमात्र प्रमाण माना जायेगा। नियन्ता मण्डल के किसी सदस्य के मांगने पर प्रत्येक विद्यार्थी को अपना पहचान–पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। मांगे जाने पर पहचान–पत्र प्रस्तुत करने में किसी विद्यार्थी के असमर्थ रहने की स्थिति में उसे अनधिकृत प्रवेशकर्ता माना जायेगा एवं उसके विरुद्ध महाविद्यालय/वि०वि० के नियमों के अधीन कार्यवाही की जायेगी। पहचान–पत्र खो जाने की सूचना नियन्ता कार्यालय को देनी होगी तथा नियन्ता कार्यालय से इस आशय का आवेदन प्रवेश शुल्क की रसीद की छाया प्रति संलग्न करते हुए तथा निर्धारित शुल्क जमा करवाकर प्रतिलिपि पहचान–पत्र कार्यालय से प्राप्त करना होगा।

मांग करने पर विद्यार्थियों को चरित्र प्रमाण–पत्र नियन्ता कार्यालय द्वारा जारी किया जाता है। अक्सर नौकरी के लिए आवेदन करते समय विद्यार्थियों से समुचित प्रमाण–पत्र प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है। नियन्ता द्वारा अधिकृत रुप से चरित्र प्रमाण–पत्र को सामान्यतः छात्र/छात्रा का सर्वाधिक विश्वसनीय प्रमाण माना जाता है। लिखित आवेदन करके निर्धारित शुल्क जमा करने पर छात्रों को जितनी बार आवश्यक हो चरित्र प्रमाण–पत्र जारी किया जा सकता है, परन्तु जिन छात्रों को ब्लैक लिस्ट किया गया हो अथवा जिन्हें आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया हो अथवा रैगिंग में लिप्त पाया गया हो उन्हे चरित्र प्रमाण–पत्र जारी नहीं किया जायेगा।

रोवरिंग/रेंजरिंग हेतु प्रयास क्यों न करें

हम जीवन कौशल चरित्र विकास, साहसिक गतिविधियाँ, मूल्य एवं नेतृत्व कौशल जैसी उन चीजों को प्रदान करते हैं, जिनकी युवाओं, पुरुषों एवं महिलाओं को सबसे ज्यादा जरुरत होती है और जिनका उपयोग आजीवन किया जाए।

1. लार्ड बेटन पॉवेल ने रोवर/रेंजर के नियमों का पालन करते हुए छात्र–छात्राओं को सन्देश दिया कि : "यह खुली हवा और सेवा का भाईचारा है, वे खुले मार्ग पर हाइकर्स और वन्य कैंपर्स हैं, जो समयानुसार स्वयं को बदलने में सक्षम हैं, साथ ही समान रुप से दूसरों के लिए सेवा के लिए तैयार रहते हैं।
2. रोवर/रेंजर का उद्देश्य बेहतर समाज बनाने में मदद करना जहाँ लोग स्वयं व्यक्तिगत रुप से समर्थ हो एवं समाज में रचनात्मक भूमिका निभाएं।
3. रोवरिंग/रेंजरिंग का मूल उद्देश्य राष्ट्र के कर्णधार छात्र–छात्राओं का शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, अध्यात्मिक शक्तियों का विकास करना है।
4. रोवर/रेंजर की उन्नति हेतु शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश, निपुण बैज, राज्य पुरस्कार बैज, राष्ट्रपति पुरस्कार, उप राष्ट्रपति पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है ताकि छात्र–छात्राएं राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर सके।
5. लार्ड बेडन पॉवेल रोवरिंग/रेंजरिंग के संस्थापक जिन्होंने इसके मूल सिद्धान्तों को समाजरुपी धरातल पर उतारा, जिससे छात्र–छात्राओं में विश्व बन्धुत्व की भावना, सर्वधर्म समभाव, अनुशासन, आत्मचिन्तन, देशप्रेम सेवाभाव, प्रकृति प्रेम, जीव–जन्तुओं के प्रति स्नेह के मूल्य विकसित हो सके।

राष्ट्र सेवा योजना (N.S.S.)
"मैं नहीं, परन्तु आप"

राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के संस्कृति, खेल, युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित समाज सेवा का कार्यक्रम है। इस योजना का उद्देश्य स्वयंसेवियों में सामाजिक चेतना को जागृत करने के साथ–साथ प्रोत्साहन एवं पुरस्कार के अवसर उपलब्ध कराना है।

1. राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों को बी०एड० एवं डी०एल०एड० (बी०टी०सी०) में प्रवेश हेतु अतिरिक्त अंक (अधिभार) प्रदान किए जाने की व्यवस्था है।
2. प्रत्येक वर्ष जिलावार राष्ट्रीय सेवा योजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 13 स्वयंसेवियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार का प्रावधान है।
3. राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवियों द्वारा प्रजातांत्रिक नेतृत्व एवं सहभागिता के क्रियान्वय में सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों की प्रवृत्ति में दक्षता विकसित करना।
4. राष्ट्रीय सेवा योजना में सर्वोत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
5. कुमाऊँ एवं गढ़वाल विश्वविद्यालयों द्वारा स्नातक/परास्नातक में प्रवेश हेतु 'राष्ट्रीय सेवा योजना' स्वयंसेवियों को अधिभार प्रदान किया जाता है।

यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी

यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी का एक युवा संगठन है, जिसका उद्देश्य युवाओं में मानवता, सेवा, सहयोग, नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा की भावना विकसित करना है। यह संगठन युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने, आपसी सहयोग बढ़ाने और जरूरतमंदों की मदद करने के लिए प्रेरित करता है। यूथ रेड क्रॉस सोसाइटी युवाओं को समाज सेवा, नेतृत्व, अनुशासन और मानवता की ओर प्रेरित करके उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करती है।

शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां

छात्र/छात्राओं के बहुमुखी विकास एवं उन्हें समसामयिक विषयों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में विषय परिषद् एवं समितियां गठित हैं जिनके द्वारा वर्ष पर्यन्त अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है यथा:

1 वाद–विवाद, विचार प्रस्तुति एवं निबन्ध लेखन प्रतियोगिता।
2 सेमिनार, परियोजना कार्य एवं पाठ्येत्तर संगोष्ठी।
3 चित्र एवं हस्तकला कौशल आधारित प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी।
4 सांस्कृतिक गतिविधियां–नृत्य गायन एवं नाट्य प्रस्तुतियाँ।
5 विभिन्न समसामयिक मुद्दों/विषय आधारित अतिथि व्याख्यान।

छात्र–कल्याण परिषद्

महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के पाठ्येत्तर गतिविधियों के संचालन के लिए और उनकी महाविद्यालय सम्बन्धी सामान्य समस्याओं के निराकरण करने के लिए प्रतिवर्ष एक छात्र कल्याण परिषद् का गठन किया जाता है। इस समिति के तत्वाधान में ही महाविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं व विचार गोष्ठियों का आयोजन भी किया जाता है। ऐसे विद्यार्थी जो शिक्षा, खेलकूद तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तथा साथ ही संगठनात्मक क्षमता भी रखते है उन्हें उक्त परिषद् में अधिष्ठाता छात्र कल्याण समिति द्वारा नामित किया जाता है। यह परिषद विद्यार्थियों एवं प्रशासन के मध्य एक सेतु का भी कार्य करती है और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को एक स्वस्थ नेतृत्व भी प्रदान करती है।

प्रतिभा संपन्न छात्रों को प्रोत्साहन पुरस्कार तथा निर्धन वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियां तथा बुक बैंक से पुस्तकें उपलब्ध कराने की संस्तुति भी यह समिति करती है। महाविद्यालय में छात्र/छात्राओं को शासन नियमों के अन्तर्गत पूर्ण/अर्द्धशुल्क मुक्ति, छात्रवृत्ति व अन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस प्रकार छात्र/छात्राओं को उनकी प्रतिभा, दक्षता व आवश्यकता के अनुसार सर्वविध सहायता प्रदान कराने के लिए एक छात्र कल्याण परिषद् समिति तत्पर रहती हैं। अधिक जानकारी के लिए छात्र/छात्राएं छात्र कल्याण के लिए अधिष्ठाता (डीन) से सतत् सम्पर्क बनाये रख सकते हैं।

खेलकूद गतिविधियाँ

महाविद्यालय में एथलेटिक्स, योग, वॉलीबॉल, क्रिकेट, शतरंज, कैरम आदि खेलों की व्यवस्था है एवं प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालय स्तर पर अनेक खेलों में भाग लेने के लिए महाविद्यालय की टीम भेजी जाती है। महाविद्यालय से प्रत्येक वर्ष नियमित रुप से वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है जिससे कि विद्यार्थी अपनी शारीरिक क्षमता व खेलकूद सम्बन्धी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके। विभिन्न प्रकार के खेलकूदों में नियमित रुप से भाग लेने के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को क्रीड़ा समिति से निरन्तर संपर्क रखना चाहिए। उच्च कक्षाओं में प्रवेश तथा नियुक्तियों में खेलकूद प्रमाण–पत्र धारकों को नियमानुसार वरीयता/अधिमान प्रदान किये जाते हैं।

वाहन पार्किंग

महाविद्यालय परिसर में छात्र/छात्राओं की सुविधा के लिए निःशुल्क वाहन पार्किंग व्यवस्था की गयी है। निर्धारित पार्किंग में ही अपना वाहन खड़ा करें। अन्य स्थान पर वाहन खड़ा करने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

अनुशासन समिति

महाविद्यालय परिसर में अनुशासन बनाये रखने हेतु अध्यापकों की एक अनुशासन समिति होगी जिसके संयोजक चीफ प्रॉक्टर होंगे। यह समिति प्राचार्य को महाविद्यालय के छात्रों के सम्बन्ध में अनुशासनिक अधिकार का प्रयोग करने में सहायता देगी और अनुशासन के सम्बन्ध में ऐसी शक्तियों का प्रयोग और कर्तव्यों का पालन करेगी जो उसे प्राचार्य द्वारा इस निमित्त सौंपे जायें।

महाविद्यालय परिधान

छात्र–छात्रा महाविद्यालय द्वारा निर्धारित परिधान में कॉलेज आयेंगे। छात्राओं का परिधान भारतीय नारी की गरिमा के अनुरुप होगा। प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं को सफेद रंग का सूट–सलवार एवं काला दुपट्टा पहनना अनिवार्य होगा।

छात्रों के लिए सफेद शर्ट, काली पैंट व काली टाई अनिवार्य है। छात्र–छात्राओं के लिए जीन्स एवं टी शर्ट का परिधान पूर्णतः वर्जित है। सर्दियों में इस पोशाक पर काले रंग का स्वेटर, कार्डिगन तथा ब्लेजर पहना जा सकता है।

महाविद्यायल में उपलब्ध पाठयक्रम एवं सीटों की संख्या

स्नातक स्तर पर महाविद्यालय में निम्नलिखित पाठयक्रम उपलब्ध है–

कला संकाय–

महाविद्यालय में छात्र/छात्राओं हेतु बी०ए० प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष में हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र की 180–180 सीटें उपलब्ध है

चित्रकला 120 सीटें, भूगोल एवं शिक्षाशास्त्र की 80–80 सीटें उपलब्ध हैं जो मेरिट के आधार पर भरी जायेंगी।

नोट–

1. चित्रकला के साथ अर्थशास्त्र नहीं ले सकेंगे।
2. चित्रकला तथा इतिहास के साथ भूगोल नहीं ले सकेंगे।
3. बी०ए० कक्षाओं में एक साथ दो साहित्य लेने की अनुमति नहीं होगी।
4. स्नातक (बी०ए०) स्तर पर केवल वही छात्र/छात्राएं चित्रकला विषय का चयन कर सकेंगे जिन्होंने अर्हकारी/ इण्टर मीडिएट स्तर पर चित्रकला विषय पढ़ा हो।
5. स्नातक (बी०ए०) स्तर पर वही छात्र/छात्राएं भूगोल विषय का चयन कर सकेंगे जिन्होंने अर्हकारी/इण्टरमीडिएट स्तर पर भूगोल, गणित, जीव विज्ञान विषय का अध्ययन किया हो।

1. **पी.सी.एम. (PCM) समूहः–** बी०एस–सी० प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्षों में पी०सी०एम० समूह उपलब्ध है प्रत्येक कक्षा में सीटों की संख्या 120 है जो मेरिट के आधार पर भरी जायेंगी।
2. **सी.बी.जेड. (CBZ) समूहः–** बी०एस–सी० प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्षों में सी.बी.जेड. समूह उपलब्ध है, प्रत्येक कक्षा में सीटों की संख्या 120 है जो मेरिट के आधार पर भरी जायेंगी।

स्नातकोत्तर स्तर पर–

स्नातकोत्तर स्तर पर महाविद्यालय में एम०एस–सी० जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान में 15 सीटें उपलब्ध हैं। गणित 30 सीटें, भौतिक विज्ञान व रसायन विज्ञान में 25–25 सीटें उपलब्ध हैं। एम०ए० शिक्षाशास्त्र में 20 सीटें, हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास व चित्रकला में 40–40 सीटें उपलब्ध हैं तथा एम०ए० भूगोल में 25 सीटें उपलब्ध हैं जो मेरिट के आधार पर भरी जायेंगी।

स्ववित्तपोषित – पाठ्यक्रम

बी०एड० पाठ्यक्रम में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के आधार पर मेरिट अंकों के अनुसार दिया जायेगा।

महाविद्यालय में स्ववित्त पोषित व्यवस्था के अन्तर्गत अन्य निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित है–

बी०कॉम०–60 सीटें
एम०कॉम०–35 सीटें
एम०ए० अर्थशास्त्र–40 सीटें
बी०एस–सी० (गृह विज्ञान)–60 सीटें
एम०एस०सी० (गृह विज्ञान)–35 सीटें

हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज, रायसी हरिद्वार, अकादमिक स्टाफ

प्राचार्य

1. प्रो० आदित्य गौतम

हिन्दी विभाग

1. डॉ० मीनू देवी–प्रभारी
2. डॉ० विक्रम सिंह
3. डॉ० वन्दना

अंग्रेजी विभाग

1. डॉ० पूनम चौधरी–प्रभारी
2. डॉ० दीपिका भट्ट
3. डॉ० प्रमोद कुमार

राजनीतिक विज्ञान विभाग

1. डॉ० मनोज कुमार–प्रभारी
2. डॉ० विनीता
3. रिक्त

अर्थशास्त्र विभाग

1. डॉ० रमेश कुमार

समाजशास्त्र विभाग

1. डॉ० सुरजीत कौर–प्रभारी
2. डॉ० निशा पाल
3. श्री हरीश राम

इतिहास विभाग

1. डॉ० प्रशान्त कुमार–प्रभारी
2. डॉ० अजीत कुमार राव
3. डॉ० रणवीर सिंह

शिक्षा शास्त्र विभाग

1. डॉ० कुलदीप सिंह टंडवाल–प्रभारी
2. डॉ० के० पी० तोमर
3. डॉ० विक्की तोमर

चित्रकला विभाग

1. डॉ० वर्षा रानी–प्रभारी
2. डॉ० विनीता दाहिया
3. डा० प्रीति गुप्ता
4. श्रीमती प्रिया प्रधान
5. डॉ० शिल्पी

भूगोल विभाग

1. डॉ० सरला भारद्वाज–प्रभारी
2. डॉ० मुरली सिंह
3. डॉ० अतुल कुमार दूबे

गणित विभाग

1. डॉ० नीटू राम–प्रभारी
2. श्री ललित मोहन सैनी
3. रिक्त
4. रिक्त

रसायन विभाग

1. डॉ० प्रदीप कुमार–प्रभारी
2. डॉ० अनुज कंडवाल
3. डॉ० अलका हरित
4. डॉ० हेमन्त पंवार
5. डॉ० प्रियंका सैनी
6. श्री अक्षय गौतम
7. रिक्त

भौतिक विज्ञान विभाग

1. डॉ० राहुल कौशिक–प्रभारी
2. डॉ० विकास तायल
3. डॉ० अश्वनी कुमार
4. डॉ० मोहम्मद इकराम

5. रिक्त
6. रिक्त

जन्तु विज्ञान विभाग

1. डॉ० नेहा सिंह–प्रभारी
2. डॉ० रश्मि डोभाल
3. रिक्त
4. रिक्त
5. रिक्त

वनस्पति विज्ञान विभाग

1. डॉ० स्माति कुकशाल–प्रभारी
2. डॉ० सारिका माहेश्वरी
3. डॉ० नरेन्द्र कुमार
4. डॉ० मंजू रानी
5. डॉ० कुलदीप कुमार

वाणिज्य विभाग

1. श्रीमती शिल्पा गौतम

गृह विज्ञान विभाग

1. कुमारी वसुंधरा

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कार्यालय)

1. श्री नितीश कुमार

कनिष्ठ सहायक

1. श्री सत्यवीर सिंह
2. श्रीमती दीपशिखा
3. श्रीमती तान्या गुप्ता
4. श्री विवेक शर्मा

पुस्तकालय लिपिक

1. श्री राहुल कुमार
2. रिक्त

विद्युतकार

1. श्री अमित सैनी

स्टोर कीपर

1. श्री सरफराज हुसैन

कम्प्यूटर ऑपरेटर

1. श्री मोहित मलकानी

प्रयोगशाला सहायक (चित्रकला)

1. श्री रणजीत सिंह
2. श्रीमती निधि गुप्ता

प्रयोगशाला सहायक (जन्तु विज्ञान)

1. श्री दीपक कुमार
2. रिक्त

प्रयोगशाला सहायक (भौतिक विज्ञान)

1. श्री भंवर सिंह
2. श्री रविकांत आर्य

प्रयोगशाला सहायक (रसायन विज्ञान)

1. श्री विश्वनाथ शर्मा
2. श्री अनुज कुमार

प्रयोगशाला सहायक (वनस्पति विज्ञान)

1. कु० वैशाली
2. श्री वासु प्रताप राव

प्रयोगशाला सहायक (शिक्षा शास्त्र)

1. श्री जयदीप कुमार शर्मा
2. श्री रोबिन कुमार

सत्र 2026–2027 के लिए गठित समितियाँ, प्रकोष्ठ एवं नोडल अधिकारी

1. **वित्त समिति (Finance Committee)**
   1. डॉ० आदित्य गौतम–संयोजक
   2. डॉ० अजीत कुमार राव–सदस्य
   3. श्री सरफराज हुसैन–सदस्य
2. **क्रय समिति (Purchase Committee)**
   1. डॉ० आदित्य गौतम–संयोजक
   2. डॉ० कृष्ण पाल तोमर–सदस्य
   3. श्री नितिश कुमार–सदस्य
3. **आन्तरिक गुणवत्ता निश्चयन प्रकोष्ठ (Internal Quality Assurance Cell)**
   1. डॉ० राहुल कौशिक–संयोजक
   2. डॉ० निशा पाल–सदस्य
   3. डॉ० पूनम रानी–सदस्य
   4. डॉ० स्मृति अन्थवाल–सदस्य
   5. डॉ० सारिका महेश्वरी–सदस्य
   6. डॉ० मनोज कुमार–सदस्य
   7. डॉ० अल्का हरित–सदस्य
   8. डॉ० नेहा सिंह–सदस्य
   9. डॉ० प्रशान्त कुमार–सदस्य
   10. डॉ० प्रियंका सैनी–सदस्य
   11. डॉ० प्रदीप कुमार–सदस्य
   12. श्री ललित मोहन सैनी–सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)
   13. श्री वासु प्रताप राव–सदस्य (तकनीकी सहायक)
4. **शैक्षणिक समिति (Academic Committee)**
   1. डॉ० अजीत कुमार राव–संयोजक
   2. डॉ० प्रदीप कुमार–सदस्य
5. **पुस्तकालय समिति (Library Committee)**
   1. डॉ० नेहा–संयोजक
   2. डॉ० मनोज कुमार–सदस्य
   3. डॉ० अश्वनी कुमार–सदस्य
   4. डॉ० विनिता देवी–सदस्य
   5. श्री राहुल कुमार–सदस्य
   6. श्री अजय कुमार राघव–सदस्य
6. **छात्र कल्याण समिति (Student Welfare Committee)**
   1. डॉ० कुलदीप सिंह टण्डवाल–संयोजक
   2. डॉ० शिल्पी–सदस्य
   3. डॉ० सरला भारद्वाज–सदस्य
   4. डॉ० मंजू रानी–सदस्य
   5. डॉ० मौ० इकराम–सदस्य
7. **अनुशासन समिति (Discipline Committee)**
   1. डॉ० मनोज कुमार–संयोजक
   2. डॉ० स्मृति अन्थवाल–सदस्य
   3. डॉ० विनीता–सदस्य
   4. डॉ० शिल्पी–सदस्य
   5. डॉ० अश्वनी कुमार–सदस्य
8. **परीक्षा समिति (Examination Committee)**
   1. डॉ० प्रशान्त कुमार–संयोजक
   2. डॉ० नरेन्द्र कुमार–सदस्य
   3. डॉ० शिल्पी–सदस्य
   4. डॉ० हेमन्त पंवार–सदस्य
   5. श्री नितिश कुमार–सदस्य
   6. श्री राजकुमार–सदस्य
9. **सांस्कृतिक समिति (Cultural Committee)**
   1. डॉ० वर्षा रानी–संयोजक
   2. डॉ० प्रियंका सैनी–सदस्य
   3. डॉ० निशा पाल–सदस्य
   4. डॉ० अतुल कुमार दुबे–सदस्य
   5. डॉ० सारिका महेश्वरी–सदस्य
   6. श्री राजकुमार–सदस्य
10. **क्रीड़ा समिति (Sports Committee)**
   1. डॉ० अतुल कुमार दुबे–संयोजक
   2. डॉ० अश्वनी कुमार–सदस्य
   3. डॉ० अल्का हरित–सदस्य
   4. डॉ० रणवीर सिंह–सदस्य
   5. डॉ० नेहा सिंह–सदस्य
11. **प्रवेश समिति (Admission Committee)**
   1. डॉ० अजीत कुमार राव–संयोजक
   2. श्री ललित मोहन सैनी–सदस्य
   3. डॉ० विनीता–सदस्य
   4. डॉ० मुरली सिंह–सदस्य
   5. श्री नीतिश कुमार–सदस्य
   6. श्रीमती तान्या गुप्ता–सदस्य
12. **प्रांगण विकास एवं स्वच्छता समिति (Campus Development & Cleanliness Committee)**
   1. डॉ० कृष्ण पाल तोमर–संयोजक
   2. डॉ० सुरजीत कौर–सदस्य
   3. डॉ० वर्षा रानी–सदस्य
   4. डॉ० प्रमोद कुमार–सदस्य
   5. डॉ० विकास तायल–सदस्य
   6. श्री राजकुमार–सदस्य
13. **छात्रवृत्ति समिति (Scholarship Committee)**
   1. डॉ० हेमन्त पंवार–संयोजक
   2. श्रीमती प्रिया प्रधान–सदस्य
   3. डॉ० प्रमोद कुमार–सदस्य
   4. डॉ० मुरली सिंह–सदस्य
   5. डॉ० मौ० इकराम–सदस्य
   6. श्री नितिश कुमार–सदस्य
14. **कैरियर काउंसिलिंग एवं प्लेसमेंट समिति (Career Counseling & Placement Committee)**
   1. डॉ० स्मृति कुकशाल–संयोजक
   2. डॉ० हेमन्त पंवार–सदस्य

सत्र 2026–2027 के लिए गठित समितियाँ, प्रकोष्ठ एवं नोडल अधिकारी

3. डॉ० रश्मि डोभाल–सदस्य
4. डॉ० प्रियंका सैनी–सदस्य
5. डॉ० मनोज कुमार–सदस्य

15. अनुसंधान एवं शोध प्रकाशन समिति (Research and Publication Committee and)
1. डॉ० प्रियंका सैनी–संयोजक
2. डॉ० नीटू राम–सदस्य
3. डॉ० दीपिका भट्ट–सदस्य

16. नवाचार तथा उद्यमिता विकास समिति (Innovation and Entrepreneurship Development Cell)
1. डॉ० हेमन्त पंवार–संयोजक
2. डॉ० प्रियंका सैनी–सदस्य
3. डॉ० रश्मि डोभाल–सदस्य
4. डॉ० हरीश राम–सदस्य

17. विद्यालय पत्रिका समिति (College Magazine Committee)
1. डॉ० विक्रम सिंह–मुख्य सम्पादक
2. डॉ० मीनू देवी–सम्पादक (हिन्दी)
4. डॉ० दीपिका भट्ट–सम्पादक (अंग्रेजी)
5. डॉ० पूनम चौधरी– सम्पादक (अंग्रेजी)

18. प्रचार प्रसार एवं सोषल मीडिया समिति (Publicity and Social Media Committee)
1. डॉ० अतुल कुमार दुबे–संयोजक
2. डॉ० वर्षा रानी–सदस्य
3. डॉ० विक्रम सिंह–सदस्य
4. डॉ० कृष्ण पाल तोमर–सदस्य
5. श्री वासु कुमार राव–सदस्य

19. पुरातन छात्र समिति (Alumni Association)
1. डॉ० विक्रम सिंह–संयोजक
2. डॉ० मंजु रानी–सदस्य
3. डॉ० नीटू राम–सदस्य
4. डॉ० प्रीति गुप्ता–सदस्य

20. शिक्षक–अभिभावक संघ (Parent-Teacher Association)
1. डॉ० कुलदीप सिंह टण्डवाल–संयोजक
2. डॉ० अनुज कण्डवाल–सदस्य
3. डॉ० रश्मि डोभाल–सदस्य
4. श्रीमती प्रिया प्रधान–सदस्य

21. रैगिंग निरोधक समिति (Anti Ragging Committee)
1. डॉ० मुरली सिंह–संयोजक
2. डॉ० कुलदीप कुमार–सदस्य
3. डॉ० नरेन्द्र कुमार–सदस्य
4. डॉ० विनीता दहिया–सदस्य

22. आन्तरिक परिवाद/शिकायत समिति (Internal Complaint Committee)
1. डॉ० प्रीति गुप्ता–संयोजक
2. डॉ० सरला भारद्वाज–सदस्य
3. डॉ० स्मृति अन्थवाल–सदस्य
4. डॉ० अल्का हरित–सदस्य

23. शिकायत निवारण समिति (Grievance Redressal Committee)
1. डॉ० मीनू देवी–संयोजक
2. डॉ० नरेन्द्र कुमार–सदस्य
3. डॉ० विनीता दहिया–सदस्य
4. डॉ० विक्की–सदस्य
5. डॉ० कुलदीप कुमार–सदस्य
6 श्री अक्षय गौतम–सदस्य
7. श्री रणजीत सिंह–सदस्य

24. महिला शिकायत निवारण समिति (Women Grievance Redressal Committee)
1. डॉ० सुरजीत कौर–संयोजक
2. डॉ० सारिका महेश्वरी–सदस्य
3. डॉ० रश्मि डोभाल–सदस्य
4. श्रीमती तान्या गुप्ता–सदस्य
5. कु० वैशाली–सदस्य

25. अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ (SC Cell)
1. डॉ० नरेन्द्र कुमार–संयोजक
2. डॉ० प्रमोद कुमार–सदस्य
3. श्री हरीश राम–सदस्य
4. डॉ० रमेश–सदस्य

26. अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ (ST Cell)
1. डॉ० विक्की–संयोजक
2. डॉ० मुरली सिंह–सदस्य

27. अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ (OBC Cell)
1. डॉ० रणवीर सिंह–संयोजक
2. श्रीमती प्रिया प्रधान–सदस्य
3. श्री रोबिन कुमार–सदस्य

28. अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ (Minority Cell)
1. डॉ० सुरजीत कौर–संयोजक
2. डॉ० मौ० इकराम–सदस्य
3. श्री सरफराज हुसैन–सदस्य

29. दिव्यांगजन सहायता प्रकोष्ठ (Divyangjan Assistance Committee)
1. डॉ० प्रिया प्रधान–संयोजक
2. डॉ० प्रमोद कुमार–सदस्य

30. राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme)
1. डॉ० अतुल कुमार दूबे–संयोजक
2. डॉ० विनीता–सदस्य

31. रोवर्स–रेंजर्स समिति (Rovers and Rangers)
1. डॉ० हरीश राम–संयोजक (पुरूष विंग)

2. डॉ० पूनम चौधरी–संयोजक (महिला विंग)
3. डॉ० अतुल कुमार दूबे–सदस्य
4. डॉ० अश्वनी कुमार–सदस्य
5. डॉ० मीनू देवी–सदस्य

32. रेड क्रॉस समिति (Red Cross Committee)
1. डॉ० सारिका महेश्वरी–संयोजक
2. डॉ० मनोज कुमार–सदस्य

33. यू०जी०सी० सेल एवं एनईपी टास्क फोर्स (UGC Cell & NEP Task Force)
1. डॉ० प्रशान्त कुमार–संयोजक
2. डॉ० रमेश–सदस्य

34. सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता (Systematic Voters' Education and Electooral Participation)
1. डॉ० सरला भारद्वाज–संयोजक
2. डॉ० सुरजीत कौर–सदस्य
3. डॉ० वन्दना–सदस्य

35. आपदा प्रबन्धन समिति (Disaster Management Committee)
1. डॉ० अल्का हरित–संयोजक
2. डॉ० वन्दना–सदस्य
3. डॉ० मुरली सिंह–सदस्य

36. तम्बाकू एवं नशा निरोधक समिति (Anti Drug Cell)
1. डॉ० शिल्पी–संयोजक
2. श्री अक्षय गौतम–सदस्य
3. डॉ० विकास तायल–सदस्य
4. श्री कुलदीप सिंह टण्डवाल–सदस्य

37. समर्थ पोर्टल/ए०बी०सी०/आभा प्रबन्धन समिति (Samarth Portal/ABC Id/ABHA Id Management Committee)
1. श्री ललित मोहन सैनी–संयोजक
2. डॉ० मंजू रानी–सदस्य

38. वेबसाइट प्रबन्धन समिति (Website Management Committee)
1. डॉ० राहुल कौशिक–संयोजक
2. डॉ० नेहा–सदस्य

39. रैंकिंग एवं प्रत्यायन समिति (NIRF/ SIRF)
1. डॉ० निशा पाल–नोडल अधिकारी

40. अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE)
1. डॉ० आदित्य गौतम–नोडल अधिकारी

41. सूचना अधिकार समिति (RTI Cell)
1. डॉ० आदित्य गौतम–लोक सूचना अधिकारी
2. डॉ० अजीत कुमार राव–सहायक लोक सूचना अधिकारी

42. विश्वविद्यालय समन्वय समिति (University Coordination Cammittee)
1. डॉ० प्रशान्त कुमार–संयोजक
2. डॉ० कृष्ण पाल तोमर–सदस्य
3. डॉ० अनुज कण्डवाल–सदस्य

महाविद्यालय के गौरव

क्रम	वर्ष	नाम	उपलब्धि	विभाग / विषय
1.	2018–2020	अनिल कुमार	Qualified UKTET	Zoology
2.	2019–2020	नेहा रानी	स्वर्ण पदक	Maths
3.	2019–2020	दीपक कुमार	कांस्टेबल जी.डी. (सी.एफ.)	हिन्दी
4	2019–2022	आस मोहम्मद	Assistant Silk Development Officer–Silk Deptt. Uttarakhand	B.Sc. (CBZ)
5	2020–2022	आराध्या गोयल	Gold Medalist	M.A. (Education)
6	2021	कु० आँचल	नेट जे.आर.एफ. सितम्बर	History
7	2021–2022	मनोज	डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड	History
8	2021–22/2024	कु० तनु	वि.वि.स्वर्ण पदक तथा पी–एच.डी. हेतु क्वालिफाइड	History
9	2021–2022	मनोज कुमार	सहायक अध्यापक	History
10	2021–2023	कु० उज्जरा	वि.वि. सिल्वर पदक	History
11	2021–2023	मेनका	JRF Cleared	Drawing and Painting
12	2021–2023	कु० प्रिया	Gold Medalist	M.A. (Education)
13	2021–2023	अंकुश पंवार	डी.एल.एड. (सत्र 2025–2027)	History
14	2022–2023	हर्ष अग्रवाल	डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड	हिन्दी
15	2022–2023	पल्लवी	वि.वि. स्वर्ण पदक	Home Science
16	2022–2024	जूली	डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड	History
17	2022–2024	अरशद अली	डी.एल.एड. (सत्र 2025–2027)	History
18	2022–2025	आकांक्षा	Qualified CTET	Zoology
19	2023–2024	अमनदीप	एस.एस.सी. जी.डी. एग्जाम पास	Chemistry
20	2023–2025	आरजू भारद्वाज	NET Qualified (UGC NET & Ph-D.)	Political Science
21	2023–2025	प्रकुल धीमान	Ph-D. Qualified	Political Science
22	2023–2025	विंकेश पंवार	सहायक अध्यापक	History
23	2023–2025	जितेन्द्र कुमार भास्कर	सहायक अध्यापक	History
24	2024	अभिषेक अग्रवाल	UGC NET & SLET उत्तराखण्ड	Geography
25	2024	कुंवर सिंह पंवार	आर.ओ. टापर	Geography
26	2024	आकाश कुमार	Radio Mechanic/Signal Regiment	M.Sc. Physics
27	2024–2025	अमरीन जहाँ	पी–एच.डी. के लिए क्वालिफाइड	Drawing
28	2024–2025	पूजा देवी	LT Selected	Drawing
29	2024–2025	अभिषेक कुमार	Technical Assistant (CBRI-IIT Roorkee)	Physics
30	2024–2025	स्वेज अंसारी	Government Job – Forest Sub Inspector	Chemistry
31	दिसम्बर 2024	कु० रचना	यू.जी.सी. नेट क्वालिफाइड	History
32	दिसम्बर 2024	अंजला चौधरी	यू.जी.सी. नेट क्वालिफाइड	Sociology
33	दिसम्बर 2024	प्रिया चौधरी	यू.जी.सी. नेट क्वालिफाइड	English
34	दिसम्बर 2024–2025	अरसाद	पी–एच.डी. / बी.एल.एड. हेतु क्वालिफाइड	History

महाविद्यालय के गौरव

35	2025	मोनू कुमार	Stenographer (UKSSSC)	M.Sc. Physics
36	2025	प्रद्युम्न कुमार	Review Officer (UKSSSC)	B.Sc. Final
37	2025	मोनी कुमार	डी.एल.एड. के लिए क्वालिफाइड	History
38	2025	शिवानी सैनी	आबकारी पुलिस कांस्टेबल (UKSSSC)	Political Science
39	2025–2026	आर्या	UGC-NET December 2025	English
40	2025–2026	काजल	UGC-NET December 2025	English
41	2025–2026	तेजपाल	Assistant in Veterinary Department	Physics
42	2025–2026	कु० शैलजा	University Topper – Gold Medalist	Sociology
43	2025–2026	आरती	SDS University Games– Gold Medal (15000m Race)	Sports
44	2025–2026	खुशी	SDS University Games – Silver Medal (400m)	Sports
45	2025–2026	नैना	SDS University Games – Silver Medal (1500m)	Sports
46	2025–2026	दीक्षा	SDS University Games – Bronze Medal (1500m)	Sports
47	June 2025	तनु	UGC-NET	Geography
48	January 2026	सुमित	Assistant Teacher (Govt-)	Geography
49	January 2026	मोनू	Assistant Teacher (Govt-)	Geography
50	27/03/2022	आदित्य शर्मा	टी.आर.एस., त्रिपुरा राइफल्स	History
51	B.A. First Year	ज्योति बर्थवाल	अन्तर विश्वविद्यालय निबंध लेखन	Hindi
52	M.A. First Year	Jyoti	प्रतियोगिता प्रथम स्थान University Level Competition –	Hindi
53		सुमित कुमार	Discuss Throw Third Position असिस्टेंट (रेलवे वर्कशॉप)	Chemistry
54		सचिन असोली	एसआई फॉरेस्ट, उत्तराखण्ड	Chemistry
55		हेमा यादव	फॉरेस्ट बीट ऑफिसर	हिन्दी

Harsh Vidya Mandir (P.G.) College, Raisi

Fee Structure (2026-27)

Aided Courses

Courses	Seats	First Year		Second Year		Third Year	
		Boy	Girl	Boy	Girl	Boy	Girl
Under Graduate Courses - 3 Years Duration							
B.A. (Hindi, English, History, Economics, Sociology, Political Science)	120	3182/-	3050/-	2882/-	2750/-	2882/-	2750/-
B.A. (Drawing & Painting)							
B.A. (Geography, Education)							
B.Sc. (CBZ)	60	4382/-	4250/-	4082/-	3950/-	4082/-	3950/-
B.Sc. (PCM)	120	3982/-	3850/-	3682/-	3550/-	3682/-	3550/-
Post Graduate Courses - 2 Years Duration							
M.A. (Hindi, English, History, Sociology, Political Science)	40	3795/-		3295/-			
M.A. (Drawing & painting, Geography)	40	4095/-		3595/-			
M.A. (Education)	15	4095/-		3595/-			
M.Sc. (Mathematics)	30	4395/-		3895/-			
M.Sc. (Zoology, Botany)	15	4695/-		4195/-			
M.Sc. (Physics, Chemistry)	25	4695/-		4195/-			

Self-Financed Courses

Courses	Seats	Fee/Semester
Under Graduate Courses - 3 Years Duration		
B.A. (Hindi, English, History, Economics, Political Science)	60	1620/-
B.A. (Drawing & Painting)	20	
B.A. (Geography, Education)	10	
B.Sc. (CBZ, Home Science)	60	3520/-
B.Com.	60	3020/-
Post Graduate Courses - 2 Years Duration		
M.A. (Hindi, English, History, Sociology, Political Science, Economics)	40	2520/-
M.A. (Drawing & Painting)	40	2770/-
M.A. (Education)	5	2770/-
M.Sc. (Home Science)	35	5020/-
M.Sc. (Physics, Chemistry)	25	3020/-
M.Com.	35	2520/-
B.Ed. - 2 Years Duration		
B.Ed.	100	Accordiing to University/ State Govt. Rules

नोट :– 1. बी०ए० पाठ्यक्रम में प्रयोगात्मक विषय लेने पर रु. 500/– प्रति विषय शुल्क देय होगा।
2. परीक्षा शुल्क शिक्षण शुल्क में सम्मिलित नहीं है तथा परीक्षा आवेदन भरने से पूर्व नियमानुसार विद्यालय में ऑनलाइन जमा करना होगा।
3. एक बार जमा किया गया शुल्क रसीद कटने के बाद किसी भी दशा में वापिस नहीं होगा।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए महाविद्यालय के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षा

रस्साकशी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए खिलाड़ी

महाविद्यालय के गौरव

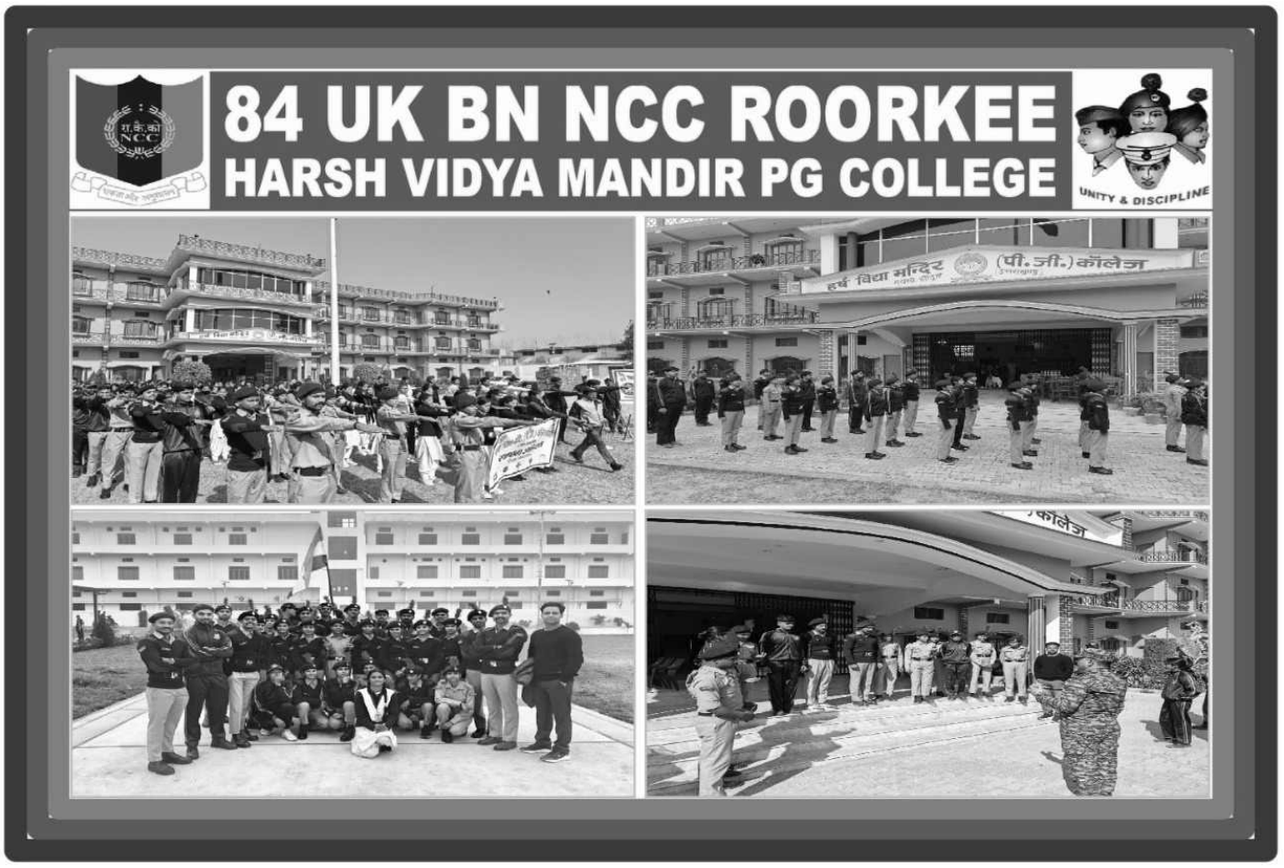

महाविद्यालय एन०सी०सी० कम्पनी

हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी (हरिद्वार)

जन्तु विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग करते छात्र/छात्रायें

रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग करते छात्र/छात्रायें

भूगोल प्रयोगशाला में प्रयोग करते छात्र/छात्रायें

भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग करते छात्र/छात्रायें

ड्राईंग एण्ड पेंटिंग प्रयोगशाला में प्रयोग करते छात्र/छात्रायें

वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग करते छात्र/छात्रायें

श्री देव सुमन विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल के दीक्षांत समारोह
2019–20 में महाविद्यालय की छात्रा कु. नेहा रानी को गोल्ड मेडल से सम्मानित करते हुए महामहिम राज्यपाल
श्रीमती बेबी रानी मौर्य, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत एवं विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. यू. एस. रावत

हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर के दसवें दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए
महाविद्यालय के छात्र निशांत कुमार दौलत

हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी (हरिद्वार)

ग्वालियर में आयोजित एसडीपीएफ नेशनल चैम्पियन डिस्क थ्रो में महाविद्यालय की छात्रा कु0 ज्योति स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए

श्रीदेव सुमन विवि के 25 छात्रों को गोल्ड मेडल

इनको मिली चांसलर ट्रॉफी

इनको मिले गोल्ड

इनको मिले सिल्वर

नई टिहरी के रानीचौरी परिसर में शनिवार को श्रीदेव सुमन विवि के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल डॉ. केके पॉल ने छात्रों को उपाधियां दीं। • हिन्दुस्तान

श्रीदेव सुमन विवि के दीक्षांत समारोह में शनिवार को मौजूद विभिन्न कॉलेजों के प्राचार्य। • हिन्दुस्तान

हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी (हरिद्वार)

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किये गये कार्यो पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो० राजेश चन्द्र पालीवाल 'शिक्षा रत्न अवार्ड 2024' से सम्मानित

बाबा साहेब ने अपना जीवन समाज से छूआछूत व अस्पृश्यता को समाप्त करने के लिये समर्पित कर दिया : प्रो. पालीवाल, प्राचार्य

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी द्वारा अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर भीमराव अंबेडकर के 134 वें जन्मदिवस का महाविद्यालय परिसर में धूमधाम से आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संस्थापक डॉ के.पी. सिंह ने बताया दलित एवं पिछड़े वर्ग के लोगों के मसीहा डॉ भीमराव अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन भारतीय समाज के लिए पिछले वर्गों दलित और गरीबों के उत्थान के लिए न्योछावर कर दिया उन्होंने सिर्फ सामाजिक न्याय व सामाजिक असमानता के खिलाफ ही लड़ाई नहीं लड़ी बल्कि उन्होंने महिला की शिक्षा के लिये पर्याप्त प्रयास नहीं करने के लिये अंग्रेजों की ... कारण ही आज करोड़ों भारतीयों के प्रेरणा स्रोत है। परा देश बाबा ... परिवर्तन के लिए एक नई विचार क्रांति का होना अति आवश्यक है ... दिलाने के साथ-साथ समानता और सामाजिक न्याय के लिए

लोक पर्व हरेला के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी, हरिद्वार उत्तराखंड में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा उत्तराखंड का लोक पर्व हरेला के अवसर पर "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो. राजेश चंद्र पालीवाल के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ दीपिका भट्ट द्वारा किया गया। उत्तराखंड में ऋतुओं

अच्छी होगी यह कृषि की समृद्धि का प्रतीक है इसलिए भगवान से हरेले की पूजा की पूजा के समय अच्छी फसल की प्रार्थना की जाती है। प्राचार्य डा. राजेश पालीवाल ने बताया कि सावन माह में देवभूमि कहे जाने वाले राज्य उत्तराखंड में एक प्रकृति को समर्पित त्यौहार हरेला मनाया जाता हैं। उत्तराखंड के निवासी प्राचीन काल से ही ,प्रकृति के प्रति अपना प्रेम और अपनी जिम्मेदारी को बखूबी दशार्ते आएं हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा " जी रया, जागी रया, फूल जसा खिली रया" लोकगीत को गाकर समस्त जनमानस की लंबी आयु की कामना की।

डॉ दीपिका भट्ट द्वारा सभी को हरेला पर्व की बधाई देते हुए पर्यावरण संरक्षण के सुझाव दिए गए तथा "एक पौधा एक छात्र" के विचार का आह्वान किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि हरेला में केवल पेड़ लगाकर फोटो खींचने की अपेक्षा रोपित किए गए पौधों का संरक्षण किया जाना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय प्रबंधक समिति के अध्यक्ष डॉ के.पी. सिंह, प्राचार्य डॉ राजेश चंद्र पालीवाल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ दीपिका भट्ट ने फलदार वृक्ष लगाकर किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ अजीत राव, डॉ प्रशांत, डॉ मीनू सैनी ,डॉ सरला भारद्वाज डॉ अतुल दुबे, डॉ स्मृति, डॉ पूनम, डॉ विक्रम ,डॉ प्रमोद, डॉ विनिता दहिया, डॉ विक्की तोमर, डॉ इकराम, डॉ नीटू , डॉ अनुज, डॉ विनिता कश्यप, डॉ शिल्पी, डॉ प्रिया, डॉ के पी तोमर, डॉ कुलदीप, डॉ राहुल कौशिक, डॉ प्रदीप, डॉ मुरली , डॉ हेमंत, डॉ निशा पाल, डॉ मंजू, डॉ सारिका माहेश्वरी ,श्री नितिन एवं श्री राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा छात्र-छात्राओं को तीन दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए ले जाया गया देहरादून

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी में रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा छात्र-छात्राओं को तीन दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए देहरादून ले जाया गयाक कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ केपी सिंह एवं डॉक्टर हर्ष कुमार दौलत ने इस कार्यक्रम के लिए प्राचार्य प्रोफेसर राजेश

को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम द्वारा छात्र-छात्राओं का मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है ' तृतीय दिवस पर श्री मुंशी चौमूवाल द्वारा योग शिविर आयोजित कराया गया ' कार्यक्रम के दौरान लीडरशिप क्वालिटी पर व्याख्यान एवं पद्म भूषण सम्मानित डॉक्टर अनिल प्रकाश जोशी एवं श्री ओम प्रकाश भट्ट एवं उसका संरक्षण करने पर व्याख्यान दिया गया ' समापन के दौरान छात्रों का इवैल्यूएशन एवं फीडबैक भी लिया गया महाविद्यालय रेड क्रॉस सोसाइटी की नोडल अधिकारी डॉक्टर सारिका माहेश्वरी द्वारा महाविद्यालय की ओर से रसायन विज्ञान प्रवक्ता श्री अक्षय गौतम एवं छात्रों गुरप्रीत, सम्राट, मुराद अली एवं लोकेंद्र को धन्यवाद

उत्तराखण्ड

3 | मेरठ, मंगलवार 26 सितम्बर, 2023

उत्तराखंड स्टेट एथलेटिक्स मीट 2023 की डिस्क थ्रो प्रतिस्पर्धा में शीतल ने द्वितीय स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय बढ़ाया सम्मान

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज रायसी की एथलेटिक्स खिलाड़ी शीतल ने उत्तराखंड स्टेट एथलेटिक्स मीट 2023 की डिस्क थ्रो प्रतिस्पर्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय के गौरव और सम्मान को बढ़ाया। इसके इस प्रदर्शन के लिए महाविद्यालय प्रबंध समिति, के अध्यक्ष डॉक्टर केपी सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राओं को जो खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रतिभा करेंगे उन्हें वार्षिक खेलकूद समारोह में सम्मानित किया जाएगा साथ ही महाविद्यालय की ओर से सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगे महाविद्यालय प्रबंधन तंत्र के सचिन डॉक्टर हर्ष कुमार दौलत ने कहा की महाविद्यालय के द्वारा विशाल

खेलकूद का मैदान तैयार कर दिया गया है और खिलाड़ियों को सभी सुविधाओं को उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा,क्रीड़ा समिति एवं प्राचार्य ने उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आरसी पालीवाल ने कहा कि हमारा महाविद्यालय शिक्षा के साथ-साथ सपोर्ट में भी दिन प्रतिदिन तरक्की कर रहा है महाविद्यालय के गौरव को बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को महाविद्यालय की तरफ से विशेष सम्मान और पुरस्कार दिया जाएगा।

रेन वाटर हॉवेस्टिंग पर कराया गया अतिथि व्याख्यान

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। तत्व इको क्लब, प्रांगण समिति, ग्रीन ऑडिट समिति एवं वनस्पति विज्ञान विभाग, हर्ष विद्या मंदिर पी कॉलेज रायसी द्वारा संयुक्त रूप से रेन वाटर हॉर्वेस्टिंग पर अतिथि व्याख्यान कराया गया. महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. के. पी. सिंह एवं उपाध्यक्षा डॉ. प्रभावती ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया एवं के. एल. डी., ए. वी. कॉलेज रूड़की से आये हुए अतिथि प्रोफ. मंजुल धीमान का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापित किया ' प्रो. मंजुल धीमान ने वर्षा के जल को एकत्रित, संरक्षित करने की विधियां एवं इसके महत्व को विस्तार पूर्वक समझाया. महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव एवं ब्लॉक प्रमुख लक्सर, डॉ. हर्ष कुमार दौलत ने जल संरक्षण के महत्व को बताते हुए कहा की किसान गर्मियों में पहले से किये गए जल संचयन से कृषि के जल संकट को दूर कर सकता है ' महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश चंद्र पालीवाल ने जल संरक्षण प्रणाली का महत्व समझाते हुए कहा कि जल संरक्षण के द्वारा हम पारम्परिक जल स्त्रोतों जैसे नदियों झीलों, भूमिगत जलभरतों पर दबाव कम कर सकते हैं ' तत्व इको क्लब प्रभारी डॉ. स्मृति कुकशाल ने वर्षा के जल को संचित करने की विधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत के लगभग 65% जलाशय सूख चुके हैं और हमें पानी के संकट से बचने के लिए पानी को

कम खर्च करना है और रेन वाटर हार्वेस्टिंग शुरू करना है रेन वाटर हार्वेस्टिंग जरुरत के समय हमारी मदद करेगा और यह पानी पौधे उगाने और खेती के लिए बेहतर होता है ' इस अतिथि व्याख्यान में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी एवं 100 से अधिक छात्र / छात्रायें उपस्थित रहे '

हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज में हुआ कार्यशाला का आयोजन

मदरलैंड संवाददाता

लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर पीजी कॉलेज, रायसी में विश्व कला दिवस के उपलक्ष में चित्रकला विभाग की डॉ. प्रीति गुप्ता के निर्देशन में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ केपी सिंह, उपाध्यक्ष डॉ प्रभावती एवं सचिव डॉ हर्ष कुमार दौलत ने सभी को विश्व कला दिवस की शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि के रूप में श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्टर डॉ दीपक भट्ट और राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर तीर्थ प्रकाश उपस्थित रहे। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर राजेश चंद्र पालीवाल ने कहा

महाविद्यालय के चित्रकला विभाग में निरंतर गतिविधियां होती रहती हैं। सभी प्राध्यापक छात्र-छात्राओं में चित्रकला के माध्यम से ऊर्जा का संचार करते हैं और उन्हें विभिन्न आयामों से चित्रकला को और कैसे अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है इस पर केंद्रित करने की प्रेरणा देते रहते हैं। समाज को सशक्त बनाने में और समाज को आईना दिखाने में चित्रकला की अहम भूमिका है। विभाग अध्यक्ष डॉ वर्षा रानी ने कहा कि विश्व कला दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि पूरा विश्व को मानसिक शांति एवं एकजुटता का संदेश दे। समाज की अच्छाइयों और बुराइयों को, समाज की संवेदनाओं को अपनी तूलिका के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करे। कार्यक्रम संयोजिका डॉ प्रीति गुप्ता ने कहा कि कला ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम समाज के विभिन्न मुद्दों को समाज के समक्ष प्रस्तुत करने का कार्य तूलिका के माध्य हैं। 19 अप्रैल को सामान्य लोकसभा निर्वाचन में भी विभिन्न पोस्टर्स के माध्यम से मतदान करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए विभिन्न चित्रों का निर्माण किया। डॉ शिल्पी पाल, डॉ विनीता दहिया, डॉ अजीत राव, डॉ निधि गुप्ता, रंजीत सिंह ने कार्यशाला को सफल बनाया। अनिकेत, हर्ष, सुधांशु, रूबी कुमारी, मंजू रानी, गुड़िया, मोनिका, अंकित, राधा, रश्मि, कामिनी, रितिका, दीप्ति, आकांक्षा, ऐश्वर्या, नैना, शिवानी, अंशु, देवकी, खुशी आदि लगभग 52 छात्र-छात्राओं ने कार्यशाला में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इतिहास

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

उधमसिंह नगर, ख... राजकीय महाविद्यालय इतिहास विभाग में प्राचार्य एस.एन. राव एवं विभाग डॉ. के.के.मिश्रा के संरक्षण मार्गदर्शन में हपुरातत्व और निर्धारणह विषय पर एक दि... वर्कशॉप का आयोजन किया ... इस वर्कशॉप में राष्ट्रीय नीति के अंतर्गत प्रवेश बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के ... छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग ... वर्कशॉप में विषय वि... कैमिस्ट्री डिपार्टमेंट (... महाविद्यालय) के डॉ. ... कुमार उपाध्याय ने ... व्याख्यान में छात्र -छात्राओं ...

विविध | दैनिक बुलन्द वाणी

उपलब्धि: महिला शिक्षा रोबोटिक डिवाइस के डिजाइन को मिला भारतीय पेटेंट

बुलन्द वाणी/संजय राजपूत

हरिद्वार, लक्सर। हर्ष विद्या मंदिर (पी.जी.) कॉलेज की सहायक प्राध्यापिका डॉ निशा पाल ने बताया कि महिलाओं की शिक्षा के लिये समाज और सरकार प्रतिदिन नये नये प्रयास कर रही है जिसमें हबेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह एवं हसर्वशिक्षा अभियानह जैसी महत्वपूर्ण योजनाए शामिल है, सभी का मुख्य उद्देश्य है कि हमारे समाज में महिलाओं के सशक्तीकरण के स्तर को ऊपर लाया जाये । इन्ही उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए हाल ही में देश के कुछ इनोवेटर्स के सामूहिक प्रयासों ने हमहिला शिक्षा रोबोटिक डिवाइसह के डिजाइन का भारत सरकार का पेटेंट प्राप्त किया है । इसे महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है । हमारे देश की महिलाओं को उत्तम शिक्षा सरल तरीके से व उनके सीखने की क्षमता के अनुसार आधुनिक प्रणाली द्वारा प्राप्त हो, को ध्यान में रखते हुए यह तकनीकी डिजाइन विकसित की गई है हमहिला शिक्षा रोबोटिक डिवाइसह एक नई और उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी है इसका उद्देश्य महिलाओं को विशेष रूप से विज्ञान, तकनीकी, अभियंत्रण और गणित (स्टेम) शिक्षा में सशक्त करना है। इस डिवाइस का प्रमाणीकरण भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति और संवर्धन के बौद्धिक संपदा विभाग द्वारा किया गया है। महात्मा गांधी केंद्रीय

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने इस संबंध में बताया कि यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आने वाले भविष्य में रोबोटिक्स तकनीकी पर आधारित यह डिवाइस ग्रामीण व शहरी सभी प्रकार की महिलावों के सामाजिक व राजनैतिक दृष्टिकोण से उन्हें सशक्त बनाएगा । इस नवाचार के पीछे कई प्रमुख शोधकर्ता हैं, जिनमें डॉ. शंकर कुमार लाल, डॉ. नीरज कुमार तिवारी, प्रो. संजय श्रीवास्तव, डॉ. रत्नतुः मिश्रा, डॉ. गोपाल सिंह, डॉ. निशा पाल, और डॉ. अमिताभ शामिल हैं। लखनऊ के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) के सैटलाइट सेंटर में कार्यरत समाजशास्त्र विभाग के समन्वयक डॉ. शंकर कुमार लाल, संस्थान के प्रशासनिक प्रभारी एवं आईटी सेल के प्रमुख डॉ. नीरज कुमार तिवारी और महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने इस डिवाइस के डिजाइन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डॉ. निशा पाल ने इस डिवाइस के उपयोग के सामाजिक प्रभावों का सूक्ष्म विश्लेषण किया और पाया कि महिलाओं के लिये इसका उपयोग प्रभावकारी साबित होगा ।

शिक्षा के विभिन्न आयामों का विश्लेषण छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर डॉ. रत्नतु मिश्रा व डॉ. गोपाल सिंह द्वारा किया गया है । इस रोबोटिक डिवाइस के डिजाइन में सभी सॉफ्टवेयर्स व सेंसर्स के इंटीग्रेशन का मूल्यांकन नेशनल पीजी कॉलेज लखनऊ की डॉ. अमिताभ द्वारा किया गया है।, इस उपलब्धि पर महाविद्यालय प्रबंध तंत्र के अध्यक्ष डॉ केपी सिंह ने इस उपलब्धि पर बधाई और शुभकामनाएं दी महाविद्यालय के सचिव डॉक्टर हर्ष कुमार दौलत और कोषाध्यक्ष श्री निशांत कुमार ने कहा की सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में यह पेटेंट नई दिशा दिखाएगा और निशा पाल को बधाई देते हुए कहा कि वह गांव के क्षेत्र में भी कार्य करें ' महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राजेश पालीवाल ने बधाई देते हुए कहा की महाविद्यालय में कई अध्यापकों के द्वारा अपने विषय से संबंधित पेटेंट प्राप्त किए हैं और महाविद्यालय निरंतर अकादमी गतिविधियों के लिए प्रदेश में अहम स्थान लगता है डॉक्टर निशा पाल को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि वह इस विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रस्ताव भी आईसीएसएसआर को प्रेषित करें।

विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना 2025–26 की झलकियाँ

विश्वविद्यालय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025–26 में गोल्ड मेडल प्राप्त करते हुए एथलेटिक्स खिलाड़ी

महाविद्यालय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025–26 महाविद्यालय के अध्यक्ष/प्राचार्य द्वारा मेडल प्राप्त करते हुए खिलाड़ी

विश्वविद्यालय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2025–26 में गोल्ड मेडल प्राप्त एथलेटिक्स खिलाड़ी को सम्मानित करते हुये महाविद्यालय प्रबन्ध समिति

राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर में महाविद्यालय सचिव को सम्मानित करते हुए

महाविद्यालय के सचिव राष्ट्रीय स्वयं सेवक के सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए

महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्षा और प्राचार्य द्वारा स्वयं सेवकों को मेडल द्वारा सम्मानित करते हुए

DIGVIJAY SINGH

(Loco Motive 82% Disability Both Leg)

WORLD RECORD HOLDER

HARIDWAR UTTARAKHAND (INDIA)

QUALIFICATION-Electronic Engineer & P.G.

Mobile No. +919411193193 | Email: dabkidigvijay888@gmail.com

According to records, Digvijay Singh is the First Indian Driver in the World who drives with a manual gearbox Car despite being a disabled person.

ACHIEVEMENTS IN MOTOR SPORTS

CAR RACING

- Received "1st Position" from Buddh International Circuit Delhi 2025
- Received "2nd Position" from Jabalpur Madhya Pradesh in AVNL motor Sports 2024
- Received "1st Position" from Sjoba Car Rally in Chandigarh, Punjab 2024
- Received "2nd Position" from The Agra Taj Car Rally TSD Rally in 2024
- Received "1st position BND Motorsports Greater Noida (Uttar Pradesh) in year 2022.
- Received "1st position in car racing from Malva Motorsports Club of India Indore Madhya Pradesh in year 2022 (India Record).
- Received 1st position 4140km Non-Stop Car Racing Koteshwar Gujrat to Kahoo Arunachal Pradesh Organised by Gumbol India in year 2021 (World Record).
- Received 2nd position 3000km Nonstop endurance Car Racing Kanya Kumari to Agra organised by Gumbol India in year 2020.(World Record)
- Received 1st position from Oya 9th Edition Autocross off-Roading in National Level Mohali Punjab year 2019.
- Received "1st Position from Oya 8th Edition Autoctross Off-Roading in National Level Car racing in Mohali Punjab 2018."

RETROFITTED SCOOTER RIDE

First International Ride India to Nepal, 2609km by Retrofitted Scooter in year 2022. Through which many slogans like Vasudhaive Kutumbkam, Sugamya Bharat Abhiyan, Ride for Unity, 75th Amrit Mohatsav of Independence were promoted abroad.

World record ride 3500 km Delhi to Mumbai and Mumbai to Delhi in year 2021. The main motive of ride was the importance of education for disable person.

ATHLETIC STATE AND NATIONAL LEVEL

Medal LIST

- Received Gold Medal & Bronze Medal in Lawn Ball National Level in Yamuna Complex in New Delhi 2025
- Received Silver Medal in jewelling Throw Khelmahakumbh 2025
- Received Silver Medal & Bronze Medal in Lawn Ball National Level in Sonipat Haryana year 2024.
- Received Gold Medal Jewelling Throw in State Level year 2024.
- Received Gold Medal in Javelin, State Level Khel Mahakumbh in year 2023.
- Received Gold Medal in Shotput, State Level Khel Mahakubh in year 2023.
- Received Gold Medal Javelin Throw in State Level 2022.
- Received Gold Medal Discuss Throw in State Level 2022.
- Received Gold Medal in State Level 2022.
- Received Gold Medal Javelin Throw in State Level 2022.
- Received Gold Medal Discuss Throw in State Level 2022.
- Received Gold Medal in State Level 2022.
- Received Gold Medal in 2021.
- Received Gold Medal in 2021.
- Received Gold Medal in 2021.
- National Paragame participation in 2021.
- Participation Javelin Throw in State Level 2019.
- Received bronze Medal in Badminton State Level 2019.
- Participation National Para Badminton in 2019.
- National Marathon 5 km. finisher medallist in 2019.
- Received Bronze Medal in District Level 2018.
- Received Gold Medal in shotput District Level in 2018.
- Received Silver Medal in discuss District Level 2018.
- Received Gold Medal in Power Lifting District Level 2018.
- Received Silver Medal in Discuss State Level year 2017.

दिग्विजय सिंह माननीय राज्यपाल
उत्तराखण्ड द्वारा सम्मानित

I hereby declare that all the information mentioned above is true to the best of my knowledge.

दिग्विजय सिंह पुष्कर सिंह धामी
मा० मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार
द्वारा सम्मानित

दिग्विजय सिंह आचार्य बालकृष्ण
महाप्रबन्धक पंतजलि
द्वारा सम्मानित

दिग्विजय सिंह रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी
पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड एवं
केबिनेट मंत्री भारत सरकार द्वारा सम्मानित

National Cadet Corps (NCC) –

Building Discipline, Leadership and Nation First Spirit

The National Cadet Corps is one of the most prestigious youth organizations in India, dedicated to developing character, discipline, leadership, patriotism, and selfless service among students. It plays a vital role in shaping young minds into responsible citizens and future leaders of the nation.

Care Taker Officer (CTO)

Harsh Vidya Mandir PG College takes immense pride in its active NCC unit affiliated with 84 UK BN NCC, Roorkee, which was established in the year 2025. Since its beginning, the unit has provided students with a platform to grow with discipline, confidence, and a spirit of national service. NCC in our college is not merely an extracurricular activity; it is a way of life that teaches punctuality, teamwork, leadership, and dedication.

Under the guidance of CTO (Care Taker Officer) Akshay Gautam, the NCC unit continues to inspire cadets to perform with excellence in parades, camps, adventure activities, and social service programs. His dedication and mentorship motivate students to develop strong character, physical fitness, and leadership qualities.

Our NCC cadets actively participate in Annual Training Camps (ATC), Combined Annual Training Camps (CATC), Republic Day Camp selections, trekking expeditions, mountaineering courses, firing practice, disaster management training, and national integration programs. These experiences prepare students to face challenges with courage and determination.

Apart from military-style training, NCC also promotes social responsibility through tree plantation drives, blood donation camps, Swachh Bharat Abhiyan, health awareness rallies, road safety campaigns, and community service initiatives. Cadets learn the true meaning of "Service Before Self" and contribute positively to society.

NCC Cadets receive Naina Devi Awards

Joining NCC also opens doors to excellent career opportunities in the Armed Forces, Police Services, Paramilitary Forces, and other government sectors. The 'B' and 'C' Certificates of NCC add significant value to students' academic and professional journeys.

Harsh Vidya Mandir PG College encourages every student to become a part of NCC and experience a journey of discipline, honor, and personal excellence. With dedicated training and strong guidance from CTO Akshay Gautam and the support of 84 UK BN NCC, Roorkee, cadets are prepared to become confident individuals and proud citizens of India.

Motto of NCC: Unity and Discipline

Join NCC – Serve the Nation, Lead with Pride, and Build a Better Future.

हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज रायसी (हरिद्वार)

चित्रकला विभाग के द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेखर जोशी (सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा) एवं अन्य विद्वत्जन

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर महाविद्यालय में योग करने के लिए उपस्थित महाविद्यालय परिवार

महाविद्यालय में रोवर/रेंजर यूनिट के प्रशिक्षण शिविर के बारे में जानकारी देते हुए लेफ्टीनेंट डा. मनोज सिन्धी, सचिव हिन्दुस्तान स्काउट एण्ड गाइड, उत्तराखण्ड

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुस्तक का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि निदेशक उच्च शिक्षा प्रो. सी.डी. सुठा व अन्य अतिथिगण

स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय के छात्र–छात्राएं

महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्राएं

अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष मा. मुकेश कुमार जी का महाविद्यालय आगमन पर स्वागत करते हुए महाविद्यालय के सचिव, प्राचार्य एवं अन्य

*हर्ष विद्या मन्दिर (पी.जी.) कॉलेज, रायसी (हरिद्वार) पिन कोड - **247671***

मूल्य : 500.00 मात्र